epaper.dehatsandesh.com

3 झिडी मेले में नहीं लगेंगे आपत्तिजनक पोस्टर या स्टॉल, एसडीएम ने दिया आश्वासन

5 लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी

8 सिंचाई सुविधाओं की आवश्यकता

मौसम जम्मू न्यूनतम 17 अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-267 | जम्मू तवी, शुक्रवार 31 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पीएम मोदी के शासन में देश नक्सलवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है : अमित शाह

पटना, 30 अक्टूबर। बिहार के मुंगेर, लखीसराय और नालंदा जिले में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन में देश नक्सलवाद मुक्त हो रहा है, आतंकवाद से मुक्त हो चुका है और भ्रष्टाचार से भी मुक्त हो चुका है।

अमित शाह ने कहा कि 2005 के पहले, पूरा बिहार जंगलराज की चपेट में था। सारे उद्योग, व्यापार, ट्रेडिंग बंद हो गए थे, बस एक ही धंधा चल रहा था अपहरण और फिरौती का...आपने नीतीश बाबू के हाथ में बिहार का शासन दिया, नीतीश बाबू ने जंगलराज को समाप्त कर दिया और बिहार में नए विकास की शुरुआत की।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की चुनावी सभा में घोषणा करते हुए कहा कि लखीसराय मेडिकल कॉलेज का नाम श्रीकृष्ण सिंह मेडिकल कॉलेज होगा। उन्होंने विजय सिन्हा को जिताने की अपील करते हुए कहा कि लखीसराय का विकास इन्हीं के नेतृत्व में हो रहा है। अमित शाह ने कहा कि कल राहुल गांधी ने ने प्रधानमंत्री मोदी को अपमानित करने के लिए कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का अपमान कर उन्होंने छठी मैया का भी अपमान किया। जो लोग छठ पूजा मनाते हैं वे नाटक करते हैं। राहुल बाबा, आप छठी मैया के महत्व और आस्था को नहीं समझेंगे। आप पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। आपके कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान किया। जब 14 नवंबर को बक्से खुलेंगे, तो उनका (महागठबंधन) सफाया हो जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि 6 नवंबर को मतदान है, आप सभी को कमल और तीर के निशान पर बटन दबाना है लेकिन आप ऐसा सोच कर बटन मत दबाना कि आपके वोट से कोई विधायक या मंत्री बनेगा बल्कि आप ये सोच कर वोट दीजिएगा कि आपका एक-एक वोट नीतीश जी और मोदी जी के नेतृत्व में बिहार को विकसित बनाने के लिए है। आपका एक-एक वोट जंगलराज को रोकने के लिए है। अमित शाह ने महागठबंधन के मेनिफेस्टो को झूठा बताया, इन लोगों के मेनिफेस्टो में सिर्फ झूठी बातें हैं, इनके कार्यकर्ताओं को भी ये वादे हजम नहीं हो पा रहे हैं, ये झूठ बोलकर सिर्फ सत्ता में आना चाहते हैं, इनके पास कोई विजन नहीं है। कभी यह धरती विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय की थी, जहां दुनिया भर से लोग पढ़ने आते थे। लेकिन बख्तियार खिलजी ने इस गौरवशाली विश्वविद्यालय को ध्वस्त कर दिया था। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसी नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से खड़ा किया, जो 12वीं सदी में तबाह हो गया था और नालंदा की शैक्षिक विरासत को नया जीवन दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि आज मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब अगर सौ बख्तियार खिलजी भी आ जाएं, तो हमारी नालंदा विद्यापीठ को कोई मिटा नहीं सकता।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी और तभी से हिलसा के सूर्य मंदिर में एक दीपक लगातार जल रहा है। करीब 550 साल पहले अयोध्या का राम मंदिर तोड़ा गया था, लेकिन कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव ने 70 साल तक उसके पुनर्निर्माण में अड़ंगे डाले। उन्होंने कहा, 卐जब राम मंदिर बन सकता है तो सीता माता मंदिर क्यों नहीं? बिहार उनकी जन्मभूमि है।

पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान के पक्ष में खुल कर आया भारत, कहा- आतंकवाद स्वीकार नहीं

"भारत अफग़ानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । भारत ने अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच टकराव में खुल कर अफगानिस्तान का पक्ष लिया है और पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेताया है कि उसके दोनों पड़ोसियों को सीमापार आतंकवाद फैलाने की नीति स्वीकार नहीं है। भारत ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में कुनार नदी पर प्रस्तावित बांध बनाने के लिए वह अफगान सरकार को पूरा सहयोग देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में अफगानिस्तान सरकार के कुनार नदी पर बांध बनाने के प्रस्ताव में भारत की भूमिका से जुड़े एक सवाल पर कहा, जैसा कि हाल ही में पारित भारत-अफग़ानिस्तान संयुक्त वक्तव्य में ज़ोर दिया गया है, भारत अफग़ानिस्तान के सतत जल प्रबंधन में, जिसमें जलविद्युत परियोजनाएं भी शामिल हैं, सहयोग देने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें सलमा बाँध भी शामिल है, जिसे आज भारत-अफ़ग़ानिस्तान मैत्री बांध कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान से बहकर आने वाली कुनार नदी पाकिस्तान में पानी की आपूर्ति के लिए बहुत अहम स्रोत मानी जाती है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के इस प्रस्ताव पर पाकिस्तान में खलबली मच गयी है और पाकिस्तानी नेताओं ने इस प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की है। दरअसल इस नदी पर पानी रुकने से पाकिस्तान में सूखे के हालात बन सकते हैं क्योंकि एक तरफ से भारत ने भी सिंधु जल संधि पर रोक लगा रखी है। अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच में सीमावर्ती इलाकों में टकराव एवं सैन्य संघर्ष से जुड़े एक सवाल पर जायसवाल ने पिछली ब्रीफिंग में दिये गये वक्तव्य को दोहराया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस बात से नाराज़ है कि अफग़ानिस्तान अपने ही क्षेत्रों पर संप्रभुता को स्थापित कर रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तान को लगता है कि उसे किसी सजा के भय के बिना, अपनी मर्जी से सीमा पार आतंकवाद करने का अधिकार है। उसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, भारत अफग़ानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विधानसभा ने किराया, पंचायत, श्रम और सहकारिता से संबंधित चार प्रमुख विधेयक किए पारित

श्रीनगर, 30 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने गुरुवार को शासन को मज़बूत करने, किरायेदारों और मकान मालिकों के अधिकारों की रक्षा करने, श्रम स्थितियों में सुधार लाने और सहकारी ढाँचों में सुधार लाने के उद्देश्य से चार महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर किराया विनियमन विधेयक, 2025 (एलए विधेयक संख्या 4) पेश किया और उसे पारित करवाया जिससे किरायेदारी को विनियमित करने और समय पर विवाद समाधान सुनिश्चित करने के लिए एक किराया प्राधिकरण की स्थापना की गई। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावीद अहमद डार ने ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा देने और सहकारी संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए दो विधेयकों जिसमें पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2025 और सहकारी समितियाँ (संशोधन) विधेयक, 2025 को सफलतापूर्वक पारित कराया। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने दुकान और प्रतिष्ठान (रोज़गार और सेवा शर्तों का विनियमन) विधेयक, 2025 को भी पारित होते देखा जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानूनों को समेकित करता है। सदन में संशोधनों पर संक्षिप्त चर्चा के बाद सभी चार विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिए गए।

खेती के माध्यम से उत्पादक के साथ व्यापारी और उद्यमी भी बनें किसान: शिवराज चौहान

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि किसान आजीविका के साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खेती बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल उत्पादक न रहें बल्कि खेती के माध्यम से व्यापारी और उद्यमी भी बनें।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह गुरुवार को दिल्ली में 卐राष्ट्रीय एफपीओ समागम 2025卐 के शुभारंभ के मौके किसान उत्पादक संगठन के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन में 24 राज्यों और 140 जिलों के 500 से अधिक प्रगतिशील किसान, एफपीओ, कार्यान्वयन एजेंसियां (आईए) और क्लस्टर-आधारित व्यावसायिक संगठन (सीबीबीओ) शामिल हुए। शिवराज चौहान ने किसानों, एफपीओ सदस्यों और सहभागी संस्थाओं के प्रयासों की सराहना की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री के नाते उनकी चिंता है कि किसानों को कड़ी मेहनत से उगाई गई उनकी फसल की अच्छी कीमत मिले, किसान दिन-रात अथक परिश्रम करके फसल उगाते हैं, कई बार उन्हें समुचित कीमत नहीं मिलती, वहीं उपभोक्ताओं को अधिक कीमत पर ये खरीदना पड़ता है, इस अंतर को कम करना होगा।

शिवराज सिंह ने कहा कि हम सीड एक्ट भी जल्दी लाने वाले हैं, जिसमें प्रावधान होगा कि किसानों को अच्छी क्वॉलिटी के बीज मिले। शिवराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि नकली और घटिया बीज और पेस्टीसाइड के मामले में सरकार सख्त है, हम कड़ा कानून लाएंगे और हमारे किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने एफपीओ से देश के छोटे किसानों के हित में गंभीरता से काम करने के साथ अपने सुझाव देने का भी अनुरोध किया और अच्छे सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिया।

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 30 अक्टूबर । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज (आरडी एंड पीआर) विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) और प्लेसमेंट-लिंक्ड कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम हिमायत (डीडीयू-जीकेवाई) जैसी प्रमुख प्रमुख योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया।

शुरुआत में मुख्य सचिव ने विभाग को सभी लंबित पीएमएवाई-जी घरों को समय पर पूरा करने और हिमायत के तहत नई प्लेसमेंट योजनाओं की मंजूरी और रोलआउट में तेजी लाने के लिए एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास हस्तक्षेपों के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए निरंतर निगरानी, डेटा-आधारित प्रगति ट्रैकिंग और निर्धारित समयसीमा का पालन करने पर जोर दिया।

आरडीडी सचिव एजाज असद ने बैठक में बताया कि जम्मू और कश्मीर ने पीएमएवाई-जी के तहत 95 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। कुल स्वीकृत लक्ष्य 3,34,718 घरों में से 3,18,542 पूरे हो चुके हैं जबकि 16,176 निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इन लंबित घरों में से 6,933 का निर्माण कार्य प्रगति पर है, 1,240 प्लिंथ स्तर पर और 5,693 लिंटेल/रूफ कास्ट स्तर पर हैं और इन्हें 31 दिसंबर, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इनके निर्माण

बाढ़ पर चर्चा की मांग को लेकर भाजपा विधायकों ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा से किया वाकआउट

श्रीनगर, 30 अक्टूबर । केंद्र शासित प्रदेश में हाल ही में आई बाढ़ के बाद की स्थिति पर चर्चा के लिए अपने स्थगन प्रस्ताव को खारिज किए जाने के विरोध में विपक्षी भाजपा विधायकों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा से वाकआउट किया। भाजपा विधायकों ने पूरे प्रश्नकाल के दौरान खड़े रहने के बाद वाकआउट किया। विपक्षी सदस्यों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे और उनसे अधूरे वादों के लिए माफी मांगने की भी मांग की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा नेता खड़े हो गए और प्रश्नकाल स्थगित करने और जम्मू के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर आधे घंटे की चर्चा की मांग करने लगे। अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने भाजपा सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने और प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया।

उपराज्यपाल सिन्हा ने दो सरकारी शिक्षकों को किया बर्खास्त, आतंकवादियों से संबंध रखने का आरोप

श्रीनगर, 30 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों से संबंध के आरोप में दो सरकारी शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की पहचान गुलाम हुसैन और माजिद इकबाल डार के रूप में हुई है। हुसैन रियासी जिले की माहौर तहसील के कलवा मुलास का निवासी है जबकि डार राजौरी जिले के खेओरा क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 का निवासी है। अलग-अलग बर्खास्तगी आदेशों में कहा गया है कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने और उपलब्ध जानकारी के आधार पर उपराज्यपाल इस बात से संतुष्ट हैं कि दोनों कर्मचारियों की गतिविधियां ऐसी हैं कि उन्हें सेवा से बर्खास्त किया जाना उचित है।

दैनिक मजदूरों के नियमितीकरण की नीति विचाराधीन : जल शक्ति मंत्री

जम्मू, 30 अक्टूबर। जल शक्ति विभाग के मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि दैनिक मजदूरों के नियमितीकरण की नीति विचाराधीन है। मंत्री ने विधानसभा में विधायक डॉ. सज्जाद शफी द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर में कही। उन्होंने बताया कि विभाग में कई क्षेत्रीय कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के कारण कर्मियों की कमी है। मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि उड़ी पीएचई उप-विभाग में 125 सहायक लाइनमैन मौजूद हैं, जबकि केवल आठ लाइनमैन पद रिक्त हैं। हालांकि, मंत्री ने कहा कि जनता को नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और जलापूर्ति योजनाओं के नियमित संचालन व रखरखाव के लिए उपलब्ध जनशक्ति, जिसमें नियमित कर्मचारी और दैनिक मजदूर दोनों शामिल हैं, का आंतरिक पुनर्विनियोजन कर अंतरिम प्रबंध किए गए हैं।

जल शक्ति विभाग के सभी रिक्त पद भरे गए - जावेद राणा

जम्मू, 30 अक्टूबर। जलग्रहण विभाग (जल शक्ति विभाग) को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने विधानसभा में घोषणा की कि विभाग के सभी लंबे समय से लंबित पदों को अब भर दिया गया है, जिससे वर्षों से चली आ रही गतिरोध स्थिति समाप्त हो गई है। राणा ने उमर अब्दुल्ला सरकार की सक्रिय और सुधारोन्मुख नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम जम्मू-कश्मीर में जल संसाधन योजनाओं के सुचारू संचालन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में बड़ा परिवर्तन साबित होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों का आभार जताया जिन्होंने भर्ती नियमों में आवश्यक छूट को मंजूरी दी, जिससे इस लंबे समय से प्रतीक्षित प्रशासनिक सफलता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

सरकार को प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए :तारिगामी

श्रीनगर, 30 अक्टूबर.। कुलगाम निर्वाचन क्षेत्र से माकपा विधायक एम वाई तारिगामी ने गुरुवार को सरकार से प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए विधानसभा के विशेष सत्र में बोलते हुए तारिगामी ने कहा कि सरकार को एक उचित मीडिया नीति बनानी चाहिए और पत्रकारों की सुरक्षा के साथ-साथ प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने अखबार और अन्य मीडिया संस्थानों को दिए जा रहे सरकारी विज्ञापनों पर लगातार रोक के बारे में भी बात की।

तारिगामी ने सदन में कहा कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

शून्यकाल के समापन के बाद विशेष सत्र आयोजित किया गया जिसमें सभी दलों के विधायकों को सार्वजनिक मुद्दे उठाने और उन पर चर्चा करने का अवसर दिया गया।

सरकार ने बताया - पिछले दो सालों में शिक्षकों की कोई भर्ती नहीं हुई

जम्मू, 30 अक्टूबर । सरकार ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में शिक्षकों की कोई नई भर्ती नहीं की गई है। कश्मीर डिवीजन में शिक्षकों की आखिरी भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2019 में जनरल लाइन, साइंस-मैथ और उर्दू शिक्षकों के लिए पूरी की गई थी। वहीं जम्मू डिवीजन में विज्ञान, गणित और उर्दू विषयों के सामान्य शिक्षकों की भर्ती वर्ष 2016 में सांबा, रियासी, उधमपुर और राजौरी जिलों में की गई थी। विभाग ने बताया कि पिछले दो वर्षों में 740 कोर्स रिसोर्स कोऑर्डिनेटर और 227 सब्जेक्ट स्पेसिफिक कोऑर्डिनेटर अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए गए हैं। कश्मीर डिवीजन में मास्टर कैडर के 6,411 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 5,436 भरे हुए हैं जबकि 975 पद खाली हैं। शिक्षक कैडर के 28,406 स्वीकृत पदों में से 28,254 पद भरे हुए हैं और 152 पद रिक्त हैं। सरकार ने यह भी बताया कि जम्मू डिवीजन में वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 12,322 स्कूल थे, जिनमें से 1,204 स्कूलों को कम नामांकन या स्थान की कमी के कारण पास के संस्थानों के साथ मिला दिया गया। वहीं कश्मीर डिवीजन में शून्य नामांकन के कारण 14 स्कूल वर्तमान में गैर-कार्यात्मक हैं। सरकार ने कहा कि रिक्तियों को प्रमोशन कोटा और युक्तिकरण नीति के तहत भरा जा रहा है और शिक्षा क्षेत्र में स्टाफिंग तथा ढांचे की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गों के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमश: 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अत: राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्था पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

झिडी मेले में नहीं लगेंगे आपत्तिजनक पोस्टर या स्टॉल, एसडीएम ने दिया आश्वासन

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। आगामी बाबा जीतो झिडी मेले के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले किसी भी आपत्तिजनक पोस्टर या स्टॉल को रोकने के उद्देश्य से शहीद किसान बाबा जीतो संघर्ष समिति के सदस्यों ने वीरवार को झिडी का दौरा किया और मेला प्राधिकरण के अधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद समिति ने अपने अध्यक्ष प्रताप सिंह जम्वाल के नेतृत्व में एसडीएम मांडल मड़, पल्लवी मिश्रा से भेंट की और मेले की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पिछले वर्ष मेले में जल परी नामक एक स्टॉल पर महिलाओं के बारे में अशोभनीय और आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए थे जिनका जनता ने विरोध किया था। समिति ने कहा कि उस समय प्रशासन ने कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की जिससे हमें स्वयं ही उन पोस्टरों को हटाना पड़ा। सदस्यों ने माँग की कि इस वर्ष ऐसे किसी भी स्टॉल या पोस्टर की अनुमति न दी जाए जो हिंदू धार्मिक भावनाओं या डोगरा संस्कृति का अपमान कर सके। साथ ही समिति ने आग्रह किया कि मेले के उद्घाटन समारोह में डोगरी कलाकारों को आमंत्रित किया जाए ताकि स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।एसडीएम पल्लवी मिश्रा ने समिति को आश्वस्त किया कि इस बार झिडी मेला बड़े पैमाने पर और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी की भी आस्था को ठेस पहुँचाने वाली कोई गतिविधि या सामग्री नहीं होगी। अश्लील पोस्टर या आपत्तिजनक स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उद्घाटन समारोह में केवल डोगरी कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि डोगरा संस्कृति को प्रोत्साहन मिले।

इस प्रतिनिधिमंडल में अरुण सी.के., दीपक राज पांडे, दीपन, रवि तंगोत्रा, कपिल महारा, नीरज सिंह लंगेह, परम ज्योति और आकाश कौल सहित कई सदस्य शामिल थे।

आतंकवाद को फिर से जीवित करने की किसी भी कोशिश को हर कीमत पर नाकाम किया जाएगा : एसएसपी

बनिहाल, 30 अक्टूबर (हि.स.)। रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अरुण गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि चिनाब घाटी हमेशा से दुश्मन देश के निशाने पर रही है जो इस क्षेत्र में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश करता रहता है। हालाँकि उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आतंकवाद को फिर से जीवित करने की ऐसी किसी भी कोशिश को हर कीमत पर नाकाम किया जाएगा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर बनिहाल में आयोजित पुलिस-पब्लिक मीटिंग के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए एसएसपी गुप्ता ने ज़ोर देकर कहा कि सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और चिनाब घाटी क्षेत्र से आतंकवाद के अवशेषों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एसएसपी गुप्ता ने कहा कि डोडा-किश्तवाड़-रामबन रेंज के डीआईजी के नेतृत्व में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है और आतंकवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पुलिस, सेना, सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि रामबन ज़िला छह अन्य ज़िलों की सीमा से लगा हुआ है, फिर भी इस क्षेत्र में फिलहाल आतंकवादियों की मौजूदगी के कोई निशान नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम चिनाब घाटी के किसी भी हिस्से में आतंकवाद या उसकी विचारधारा को फिर से जड़ें जमाने नहीं देने के लिए दृढ़ हैं। एसएसपी ने आगे बताया कि ज़िले में शांतिपूर्ण माहौल है जिसे जनता के निरंतर समर्थन और सहयोग से बनाए रखने की ज़रूरत है। उन्होंने आग्रह किया कि यहाँ प्राप्त शांति को सामूहिक सतर्कता और सद्भाव के माध्यम से बनाए रखा और मज़बूत किया जाना चाहिए।

नटरंग ने किया छह प्रतिष्ठित कलाकारों का सम्मान, 'समकालीन जम्मू-कश्मीर कला प्रदर्शनी' में रचनात्मकता का उत्सव

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। नटरंग ने कला केंद्र जम्मू में दृश्य कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले छह प्रतिष्ठित कलाकारों को सम्मानित किया। इस विशेष समारोह में नटरंग के अध्यक्ष पद्मश्री बलवंत ठाकुर और कला केंद्र के सचिव डॉ. जावेद राही ने कलाकारों को सम्मानित किया।

जिन छह कलाकारों को यह सम्मान प्राप्त हुआ, उनमें रीचा गुप्ता, अमित सिंह स्लाथिया, रोहित वर्मा, सुखजीत सिंह कुकल, सुरेश कुमार शर्मा और जंग एस. वर्मन शामिल हैं। इन्हें चित्रकला, मूर्तिकला और कला शिक्षा के क्षेत्र में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने कहा कि ये छह कलाकार जम्मू-कश्मीर की रचनात्मक आत्मा के प्रतिनिधि हैं। अपनी दूरदर्शिता, समर्पण और दृढ़ता से इन्होंने हमारी सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कलाकारों को सम्मानित करना न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों का सम्मान है, बल्कि समाज में कला को एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करने का प्रतीक भी है।

सम्मानित कलाकारों में रीचा गुप्ता ने नारीत्व और अस्मिता के संवेदनशील चित्रण से ख्याति पाई है जबकि अमित सिंह स्लाथिया ने कला और शिक्षा को जोड़ते हुए दृश्य कला में नवाचार का परिचय दिया है। रोहित वर्मा को उनकी सक्रिय रचनात्मकता और शिक्षण नेतृत्व के लिए जाना जाता है, वहीं सुखजीत सिंह कुकल की मूर्तिकला तकनीकी उत्कृष्टता और भावनात्मक गहराई का सुंदर मेल प्रस्तुत करती है। सुरेश कुमार शर्मा ने समाजसेवा और कला को जोड़ा है, जबकि वरिष्ठ कलाकार जंग एस. वर्मन ने अपने लेखन और समीक्षाओं के माध्यम से भारतीय कला-जगत को समृद्ध किया है।

पुलिस ने मनवाल क्षेत्र में गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम की, 14 गोवंश बचाए, 1 वाहन ज़ब्त किया

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत गोवंश तस्करी पर अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने आज मनवाल क्षेत्र में एक तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। किशनपुर के पास मनवाल पुलिस चौकी के सहयोग से झज्जर कोटली पुलिस ने एक संयुक्त नाका स्थापित किया। नाके पर जाँच के दौरान, पुलिस टीम ने एक वाहन - अशोक लीलैंड, जिसका पंजीकरण संख्या जेके08ह-4050 था को रोका। गहन जाँच करने पर उक्त वाहन में अवैध रूप से ले जाए जा रहे 14 गोवंश पाए गए। सभी जानवरों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि वाहन के चालक दानिश बट पुत्र मोहम्मद अब्बास बट निवासी वाल्टिंगो, कुलगाम (कश्मीर) को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में, एक मामला एफआईआर संख्या 126/2025 यू/एस 223 बीएनएस, 11 पीसीए अधिनियम पुलिस स्टेशन झज्जर कोटली में दर्ज किया गया है, और आगे की जांच चल रही है।

पुलिस ने एकता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सुरक्षा पर संगोष्ठी का आयोजन किया

रामबन, 30 अक्टूबर (हि.स.)। सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में, रामबन पुलिस ने पुलिस स्टेशन रामबन के अंतर्गत आने वाले सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) रामबन में राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को राष्ट्रीय एकता और अखंडता में उनके अतुल्य योगदान के लिए श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था। जीडीसी रामबन के लगभग 100 छात्रों ने इस संगोष्ठी में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में एसएसपी रामबन, डीएसपी मुख्यालय रामबन, एसएचओ पुलिस स्टेशन रामबन, अन्य पुलिस अधिकारी, जीडीसी के प्राचार्य, संकाय सदस्य और कॉलेज के छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एसएसपी रामबन के उत्साहवर्धक भाषणों के साथ हुआ, जिन्होंने छात्रों की भागीदारी और कॉलेज के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की पहल न केवल सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का सम्मान करती है, बल्कि पुलिस-पब्लिक संबंधों को मज़बूत करने और युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रवादी मूल्यों का संचार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भाजपा की शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए बूथ-स्तरीय प्रबंधन को मज़बूत करने का आह्वान

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने आगामी नगरोटा विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी की गहन चुनावी तैयारियों के तहत दंसल मंडल और नगरोटा मंडल के बूथ अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अशोक खजूरिया, डीडीसी अध्यक्ष और भाजपा उपाध्यक्ष भारत भूषण (नगरोटा उपचुनाव के सह-प्रभारी), महासचिव संजीता डोगरा, ज़िला अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा और अन्य प्रमुख नेताओं सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा की निर्णायक जीत सुनिश्चित करने में बूथ-स्तरीय प्रबंधन के महत्व पर ज़ोर दिया।

जम्मू में 2 नवंबर को होगा तुलसी विवाह

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक चलने वाले धार्मिक पर्वों के दौरान भगवान विष्णु की प्रिय तुलसी का विवाह भगवान शालीग्राम से किया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह 2 नवंबर, रविवार को संपन्न होगा। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि 1 नवंबर शनिवार सुबह 9 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 2 नवंबर रविवार सुबह 7 बजकर 32 मिनट तक रहेगी। स्मार्त संप्रदाय के लोग 1 नवंबर को तथा वैष्णव संप्रदाय के लोग 2 नवंबर को हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत रखेंगे।

जीजीएम साइंस कॉलेज में प्रो. राजिंदर सिंह के सम्मान में भावनात्मक विदाई समारोह

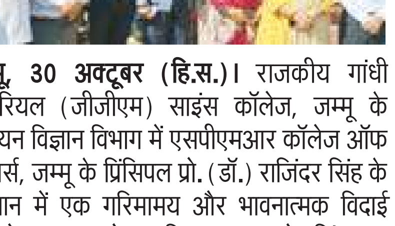

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। राजकीय गांधी मेमोरियल (जीजीएम) साइंस कॉलेज, जम्मू के रसायन विज्ञान विभाग में एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जम्मू के प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) राजिंदर सिंह के सम्मान में एक गरिमामय और भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रो. सिंह 31 अक्तूबर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजीएम साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रोमेश गुप्ता ने की जबकि रसायन विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। विभाग ने उनके सम्मान में 'एक कप चाय' का आयोजन कर शिक्षण, प्रशासन और शैक्षणिक नेतृत्व में उनके उत्कृष्ट योगदान का जश्न मनाया। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रो. सिंह को समर्पण, ज्ञान और विनम्रता की मिसाल बताते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। प्रो. (डॉ.) रोमेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि प्रो. राजिंदर सिंह एक दूरदर्शी नेता रहे हैं जिनकी उत्कृष्टता और ईमानदारी के प्रति निष्ठा ने शिक्षकों और छात्रों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। रसायन विज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. स्वीटी वर्मा ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि डॉ. सिंह एक मार्गदर्शक शक्ति और सच्चे गुरु हैं जिन्होंने शिक्षण के प्रति अपने जुनून से सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बनने का कार्य किया है। उन्होंने प्रो. सिंह के सुखद और पूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। कार्यक्रम का समापन स्मृतियों, शुभकामनाओं और सौहार्दपूर्ण संवादों के साथ हुआ जिसने सभी के मन में एक गहरी छाप छोड़ी।

राष्ट्रीय एकता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। मीरां साहिब पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर पुलिस पब्लिक स्कूल, जम्मू में आयोजित किया गया था और इसमें छात्रों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस समारोह की शुरुआत एक जागरूकता व्याख्यान के साथ हुई जिसमें भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के विजन और योगदान पर प्रकाश डाला गया जिनके अथक प्रयासों ने एक एकजुट और मजबूत राष्ट्र की नींव रखी। प्रतिभागियों ने देश के सभी नागरिकों के बीच एकता, अखंडता और सद्भाव की भावना को बनाए रखने की शपथ ली।

यह आयोजन छात्रों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के बीच संवाद, सीखने और सहयोग के लिए एक जीवंत मंच के रूप में भी कार्य किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने युवा प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना की सराहना की।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह ने वास्तव में विविधता में एकता के सार को प्रतिबिंबित किया और राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को मजबूत करने के प्रति लोगों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

जनता करे त्राहिमाम सरकार ढूंढे ऐशोआराम : शिवसेना

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। वादों को पूरा करने के लिए बजट नहीं संविदा कर्मियों के लिए वेतन नहीं खुद का वेतन होगा दोगुना जनता पर पहले पैसा फिर बिजली की तुगलकी व्यवस्था होगी लागू ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि अंधा बांटे रेवड़ियां, मुड़- मुड़ अपनों को दे यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीश साहनी का।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी ने कहा कि 23 अकतूबर को शुरू हुआ विधानसभा सत्र कल यानि 31 अकतूबर को समाप्त होने जा रहा है। एकबार फिर निशुल्क बिजली, मुफ्त गैस सिलेंडर , प्रीपेड बिजली व्यवस्था समेत तमाम जन मुद्दों पर जनता को निराशा हाथ है । वही विभिन्न विभागों में कार्यरत लगभग 61000 अस्थाई व दैनिक वेतन भोगी जो पिछले लगभग 1200 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरने पर है, उनहे भी मौखिक आश्वासनों के सिवा कुछ नहीं मिला । नेका सरकार द्वारा वादों को पूरा करने को लेकर बजट के नहीं होने के घडियाली आंसू बहाए जाते है। विधायकों का वेतन पलभर में पक्ष विपक्ष की सहमति के साथ दोगुना कर दिए जाते है । वही आर्थिक मंदी महंगाई , बेरोजगारी से जूझ रही जनता पर प्रीपेड व्यवस्था जबरन थोपने के खिलाफ विधानसभा में विपक्षी (भाजपा) के किसी विधायक का मुह नहीं खुला। साहनी ने कहा कि एकबार फिर जनता अपने को ठगा हुआ महसूस कर रही है जन प्रतिनिधि चुनने में भी शायद हमारे से बहुत बड़ी भूल हो चुकी है।

राष्ट्रीय एकता अनेकता में एकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। पुलिस स्टेशन सतवारी ने 30 अक्टूबर 2025 को यूनिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल गादी गढ़ करण बाग जम्मू में राष्ट्रीय एकता अनेकता में एकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस विषय पर पाँच वक्ताओं ने भाषण दिया और लगभग 120-150 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने भारत की एकता और अखंडता में सरदार वल्लभभाई पटेल के असाधारण योगदान पर प्रकाश डाला। स्वतंत्र भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में पटेल ने 565 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कराया और एक खंडित परिदृश्य से एक संप्रभु और एकजुट राष्ट्र का निर्माण किया।

वैज्ञानिक कंप्यूटिंग पर साझा की महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटरा के गणित संकाय ने प्रधानमंत्री-उषा योजना के अंतर्गत वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर आईआईटी रोपड़ के गणित विभाग के

प्रोफेसर जितेंद्र कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में प्रोफेसर कुमार ने वैज्ञानिक कंप्यूटिंग में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की त्रुटियों, उनके प्रसार और संचयी प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कंडीशनिंग की अवधारणा पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए बताया कि इनपुट में मामूली परिवर्तन आउटपुट में बड़े उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं। उन्होंने संख्यात्मक स्थिरता के महत्व को भी सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

व्याख्यान के दौरान प्रोफेसर कुमार ने बी.टेक. गणित एवं कंप्यूटिंग के छात्रों से इंटर्नशिप और करियर संभावनाओं पर संवाद भी किया।

उपायुक्त ने पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के भ्रमण पर किसानों को हरी झंडी दिखाई

कुलगाम, 30 अक्टूबर (हि.स.)। कुलगाम के उपायुक्त अतहर आमिर खान ने आज समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) 2025-26 के अंतर्गत छह दिवसीय भ्रमण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 47 प्रगतिशील किसान-उद्यमियों के एक समूह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस भ्रमण के दौरान, किसान लैवेंडर जैसे औषधीय पौधों के व्यावसायिक प्रचार के संबंध में अपने कौशल और तकनीकी जानकारी को उन्नत करने के लिए पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय (हिमाचल प्रदेश) का दौरा करेंगे, साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से क्लस्टर-आधारित पुष्पकृषि उद्यमिता का भी अभ्यास करेंगे। किसानों से बातचीत करते हुए, उपायुक्त ने कहा कि इस भ्रमण का उद्देश्य उन्हें औषधीय पौधों और पुष्पकृषि क्षेत्रों में अपनाई जा रही नवीनतम तकनीकी प्रगति और प्रगतिशील कृषि पद्धतियों से अवगत कराना है।

इस अवसर पर, मुख्य कृषि अधिकारी ने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे भ्रमण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने देश के अन्य किसानों के साथ साझा करें और प्रसारित करें, जिससे वे इन क्षेत्रों में अपनी उपज और आय में सुधार के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपना सकें।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी, उप-मंडल कृषि अधिकारी, एसएमएस (एसडीएल), कृषि विस्तार अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (PHE)DIVISIONUDHAMPUR

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 30 of2025-26 Dated: 28/10/2025

For and on behalf of Lt. Governor of UT of J&K, Executive Engineer Jal Shakti (PHE) DivisionUdhampur invites e-tenders from reputed and resourceful Bidders/ Firms/Companies / Consortiums between bidder/firm and Financier of "A & ABOVE Class" registered in JKPWD/CPWD/Railways/MES or any other state Government for "Augmentation of water supply schemeUdhampur Townunder AMRUT 2.0incl. Operation and Maintenance of scheme for 05 Years". The bidding process shall be completed online on www.jktenders.gov.inin two covers viz. Cover 1stconsisting of Pre-Qualification Criteria, General Terms and Conditions, Scope of work and Technical Specifications and Cover 2ndconsisting of Financial Bid on Percentagerate basis, in the prescribed BOQ

Sr No	Particulars of the work	Estimated Cost (Lacs)	Tender fee (in INR)	Earnest money Deposit in INR	Bid Validity	Time of Completion of work (month)
1	2	3	4	5	6	7
1.	Augmentation of water supplyschemeUdhampur Townunder AMRUT 2.0 (Work wise details given Annexure I)	Rs.3136.40	Rs. 10000/-	2% of Estimated Cost	180 days	(18 months)

Position of funds: Approved Under AMRUT 2.0

The tender inviting authority is Executive Engineer, Jal Shakti (PHE)Division Udhampur

Critical Dates:

i Publish Date	28-10-2025
ii Document Download/sale start Date	29-10-2025
iii Bid submission start date	29-10-2025
iv Pre-Bid Meeting date	08-11-2025
v Bid submission end date	18-11-2025up to 4:00 PM
v Date and time of Bid opening	20-11-2025at 2:00 PM onwards

1. Bid documents can be accessed and downloaded from the website www.jktenders.gov.in
2. The pre-bid meeting will be held in the office chamber of the Chief Engineer, Jal Shakti (PHE)DepartmentJammu through virtual/offline mode.
3. The whole bidding process shall be completed online on tender portalwww.jktenders.gov.in. The intending bidders can download the bid document from the tender portal and can submit their bids by uploading them on the tender portal.
4. The valid bids received shall be opened online in the office of the Chief Engineer, Jal Shakti (PHE) Department Jammu, Bids must be accompanied by EMD and cost of Tender Document as specified in column 4 & 5 of the table and shall be payable atUdhampur.
5. The cost of tender documents should be in the form of TR/e Challan in favour of the Executive Engineer, Division Udhampur

No. JSDU/6847-58 Dt.28/10/2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (PHE) Division Udhampur

DIP/J-7440/25
Dtd: 30-10-2025

एक्सपोज़र टूर से सांस्कृतिक जागरूकता और अपनी विरासत की समझ बढ़ेगी : उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

लेह, 30 अक्टूबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने आज आर्मी गुडविल स्कूल, हरका बहादुर, कारगिल के छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की, जो 30 राजपूत द्वारा आयोजित एक एकीकरण दौरे के लिए 28 से 31 अक्टूबर तक लेह में हैं। उपराज्यपाल ने आर्मी गुडविल स्कूल, हरका बहादुर के छात्रों के लिए एक्सपोज़र टूर आयोजित करने के लिए भारतीय सेना की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि इससे उन्हें लद्दाख के समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति की गहरी समझ हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की पहल छात्रों के क्षितिज को व्यापक बनाने, राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने और सेना और स्थानीय समुदायों के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, उपराज्यपाल ने ज़ोर देकर कहा कि ऐतिहासिक महत्व के स्थानों के भ्रमण और प्रदर्शन भ्रमण कक्षा में सीखने को वास्तविक दुनिया के अनुभव से जोड़ेंगे और सांस्कृतिक जागरूकता, विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति सम्मान और अपनी विरासत की गहरी, व्यक्तिगत समझ को बढ़ावा देंगे। इससे पहले, सूबेदार महेश कुमार ने बताया कि आर्मी गुडविल स्कूल, हरका बहादुर - जिसका नाम सूबेदार हरका बहादुर राणा के नाम पर रखा गया है, के शिक्षकों के साथ 20 छात्र एक प्रदर्शन भ्रमण के लिए लेह में हैं, जिसके दौरान उन्हें शांति स्तूप, ज़ोरावर किला, हॉल ऑफ़ फ़ेम, मैग्नेटिक हॉल, संगम पॉइंट (ज़ांस्कर-सिंधु नदी का संगम) और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर (एलएसआरसी) ले जाया जाएगा।

सूबेदार महेश ने बताया कि आर्मी गुडविल स्कूल, हरका बहादुर का प्रबंधन भारतीय सेना द्वारा किया जाता है और छात्रों के समग्र विकास के लिए पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय समुदाय की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय सेना द्वारा एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी स्थापित किया गया है। उन्होंने द्रास और अन्य दूर-दराज के स्थानों से छात्रों को लाने-ले जाने के लिए भारतीय सेना द्वारा प्रदान की जा रही बस सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाई देशभक्ति की झलक

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 30 अक्तूबर। देशभक्ति के जोश और उत्साह से गूंजते माहौल में आज प्रधानमंत्री श्री स्कूल भलरा, भद्रवाह में राष्ट्र निर्माण में पुलिस एवं सशस्त्र बलों की भूमिका卐 विषय पर एक रोचक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर पुलिस जिला डोडा द्वारा विद्यालय एवं 10 जे एंड के बटालियन एनसीसी भद्रवाह के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, एनसीसी कैडेटों, शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर देश के वर्दीधारी रक्षकों के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संजीव कुमार कौल के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस और सशस्त्र बल हमारे देश की सुरक्षा, स्थिरता और सांप्रदायिक सौहार्द के आधार स्तंभ हैं। वे चौकन्ने प्रहरी हैं जो हमारे विकास की यात्रा को सुरक्षित बनाते हैं, उन्होंने कहा।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ प्रभावशाली तर्क रखे। निर्णायक मंडल में शामिल वरिष्ठ व्याख्याता ओम प्रकाश और मास्टर वसीम काज़ी ने छात्रों के जोशीले विचारों का मूल्यांकन किया।

संपादकीय

रोपवे किसके लिए?

वैष्णो देवी रोपवे के निर्माण पर सरकार के अड़ियल रुख को देखते हुए, मन में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि स्थानीय लोगों और व्यावसायिक संस्थाओं सहित अधिकांश हितधारकों के विपरीत रुख के बावजूद, शीर्षस्थ लोग इस परियोजना को आगे क्यों बढ़ाना चाहते थे?

आखिरकार, इस तीर्थयात्रा का महत्व उन कठिनाइयों से जुड़ा है जिनका सामना श्रद्धालु विश्व प्रसिद्ध गुफा मंदिर में दर्शन करने से पहले करते हैं, क्योंकि मंदिर के रास्ते में लगने वाले नारे पौड़ी पौड़ी चढ़ जा, जय माता दी करदा जा, और भी बहुत कुछ कहते हैं। इस मामले में, श्राइन बोर्ड चाहता है कि प्रस्तावित रोपवे परियोजना के ज़रिए श्रद्धालुओं को सीधे आधार शिविर से भवन के पास पहुँचाया जाए, सतही मार्गों को दरकिनार करते हुए, जिससे आध्यात्मिकता का वह सार नष्ट हो जाए जो इस कठिन यात्रा में ही निहित है, जहाँ हर कदम, हर विराम और आत्म-पश्चाताप का हर क्षण तीर्थयात्री को आंतरिक शुद्धि और दिव्य जुड़ाव के करीब लाता है।

हालाँकि इस कठिन तीर्थयात्रा से जुड़े लोग मुख्यत: इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि रियासी में ताराकोट मार्ग को सांझी छत से जोड़ने वाली 250 करोड़ रुपये की रोपवे परियोजना, जो 12 किलोमीटर लंबे खड़ी ढलान वाले रास्ते से होकर रियासी स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक जाती है, उनके रोज़गार और व्यवसाय को प्रभावित करेगी, जो इस क्षेत्र में कई सदियों से स्थापित हैं। लेकिन अगर सरकार का यह फ़ैसला हकीकत बन जाता है, तो इस पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन की प्रक्रिया बिना किसी विशेष प्रयास के मंदिर जाने जैसी हो जाएगी।

यह बताना ज़रूरी है कि माता वैष्णो देवी मंदिर और श्री अमरनाथजी गुफा के दर्शन में श्रद्धालुओं को होने वाली कठिनाइयों के कारण यह तीर्थयात्रा विशेष बन जाती है और इसलिए ज़िम्मेदार लोगों को श्रद्धालुओं को भवन तक पहुँचाने के लिए रोपवे परियोजना या किसी अन्य साधन की स्थापना के अपने फ़ैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। यह अनुचित और अनावश्यक है।

यहाँ यह बताना ज़रूरी है कि स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के ख़िलाफ़ कटरा में विरोध प्रदर्शन किया है और धमकी दी है कि अगर परियोजना को स्थगित नहीं किया गया तो वे क्रमिक भूख हड़ताल फिर से शुरू करेंगे। उनका दावा है कि रोपवे से 60,000 से ज़्यादा परिवारों, खासकर होटल व्यवसायियों, दुकानदारों, टट्टू संचालकों और मज़दूरों की आजीविका प्रभावित होगी।

इस प्रस्ताव से जुड़ा एक और बड़ा मुद्दा पर्यावरणीय और पारिस्थितिक प्रभावों से जुड़ा है, क्योंकि ऐसी तथाकथित विकास परियोजनाएँ पेड़ों के विनाश और पशु-पक्षियों की आदिवासी प्रजातियों के विस्थापन के साथ पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। इसके अलावा, कंक्रीट के बुनियादी ढाँचे से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी सभी वाकिफ़ हैं, इसलिए इस निर्णय पर पुनर्विचार करना और इस विवादास्पद परियोजना पर दोबारा विचार करना उचित होगा, जिससे कई संस्थाओं के प्रभावित होने की संभावना है।

सशक्त भारत के वास्तुकार सरदार वल्लभभाई पटेल

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती (31 अक्टूबर) पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत की मूर्त संकल्पना के अप्रतिम वास्तुकार थे। अंग्रेज़ी राज के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के एक सच्चे सिपाही के रूप में वे समर्पित भाव से कार्य करते रहे। खेड़ा और बारडोली के सफल जन आंदोलनों का नेतृत्व करने के बाद देशभर में वे 'सरदार' के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सभी लोग इनके नेतृत्व और संगठन की सूझबूझ और क्षमता के क़ायल हो गए थे। वे शीघ्र ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बने और आजाद भारत के आरंभिक वर्षों में देश के उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री आदि के रूप में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं थीं।

सरदार पटेल राजनीतिक स्वतंत्रता को पर्याप्त नहीं मानते थे। वे स्वतंत्रता के साथ हुए अखंड भारत के विभाजन के घाव से दुखी थे। वे कहते हैं'' एक बड़ी लम्बी लड़ाई के बाद देश को आजादी मिली। पर यह वैसी स्वतंत्रता नहीं है जैसी हम सब चाहते थे। यह वह स्वतंत्रता भी नहीं थी जैसी इसे देने वाले, हम लोगों के बापू, चाहते थे और हमारी अपनी गलती से हमने उनको खो दिया। अब उनके जाने के बाद हमें व्रत लेना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वह स्वतंत्रता मिले जो वह हमारे लिए चाहते थे।''

यह वह समय था जब भारत के दो खंड थे- एक अंग्रेजी राज वाला और दूसरा राजाओं, रजवाड़ों और रियासतों वाला। अपने अथक प्रयास से सरदार पटेल ने 565 रियासतों का भारतीय संघ में शांतिपूर्ण विलय कराया। भारत के राजनैतिक एकीकरण का यह अनोखा प्रयोग था। 'लौह पुरुष' सरदार पटेल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आयु में 6 वर्ष छोटे और नेहरू जी से 10 वर्ष बड़े थे । भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के चंगुल से आजादी मिली थी। पाँच महीने बाद 30 जनवरी 1948 को गांधीजी का देहांत हुआ था। उसके दो वर्ष बाद सरदार पटेल 15 दिसम्बर 1950 को स्वर्गवासी हुए थे। आधुनिक भारत को गढ़ने में उनकी अविस्मरणीय भूमिका थी। उन्होंने देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए एक समर्थ भारत की नींव रखी। देश भक्ति, संयम और दृढ़ता की मिसाल बने सरदार आधुनिक भारत के निर्माण की धुरी बन गए। गांधीजी ने यदि स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी तो सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के परिणाम को भौतिक जामा पहनाया।

राष्ट्र निर्माण पर विचार करते हुए सरदार पटेल प्रत्येक नागरिक के लिए श्रम और समर्पण को आवश्यक मानते थे । समाज की समावेशी दृष्टि रखते हुए वे अल्पमत और बहुमत की जगह सर्वमत पर बल देते थे। वे राष्ट्र के रूप में भारत और उसके नागरिकों के बीच परस्पर पोषक और पोषित होने के भाव की परिकल्पना करते थे। स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों के प्रति उनका अविचल समर्पण था। उन्होंने पुरानी इंडियन सिवल सर्विसेज़ की जगह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइ ए एस) का गठन कर प्रशासन को एक सबल आधार दिया। वे कम खर्च, अधिक बचत और निवेश की नीति को भी प्रोत्साहित कर रहे थे और उदारतापूर्वक औद्योगिकीकरण का भी समर्थन कर रहे थे। देश के वे आर्थिक सुधार जो बाद में 1990 के दशक में देश में आए वे सरदार पटेल की नज़रों में 1950 में ही आ चुके थे। अन्यान्य कारणों से तब वैसा न हो सका था।

सरदार पटेल मानते थे कि राष्ट्र का स्वरूप उसके नागरिकों पर निर्भर करता है। इसी कारण भारत के नागरिकों को उनकी भूमिका के लिए सचेत करते हुए वे नागरिक कर्तव्यबोध को जगाने के लिए वे कहते थे कि हमें एक दुर्लभ अवसर मिला है कि हम अपने देश को अपने रुचि और ढंग से बना सकें। वे केवल यांत्रिक स्तर पर राष्ट्र-निर्माण का आह्वान नहीं कर रहे थे, बल्कि राष्ट्र को अपनी अस्मिता का अभिन्न अंग मानते हुए उसके समग्र विकास को सामने लाते हैं। इस समग्र विकास में उन्होंने देश की एकता को सर्वोपरि माना। वे मानते थे कि एक मजबूत भारत को बनाने के लिए एकता और शांति सबसे पहली जरूरत है। यदि देश में एकता न हो, तो निश्चय ही उसका पतन होगा। इसलिए हमें अपने मतभेदों को सुलझाना होगा और इस तरह बर्ताव करना होगा कि देश में पूरा सामंजस्य और अमन-चैन हो तथा शांति बनी रहे।

सरदार पटेल की कल्पना के भारत में एकता और शांति बाहर से थोपे और जबरन शक्ति से नियंत्रित होने वाले तत्व नहीं है बल्कि वे भारत के निर्माता नागरिकों की स्वभावगत विशेषताएं हैं। जब इन विशेषताओं को हर नागरिक मनो-सामाजिक स्तर पर भारत से जोड़ कर देखेगा तो वह इनके आलोक में आत्मानुशासित होगा। इस आत्मानुशासन के कारण उसकी अधीरता नियंत्रित होगी। सरदार चेताते हैं कि एकता के लिए हमको जाति और धर्म के भेद-भाव को भूलना होगा और यह याद रखना होगा कि हम सब भारतीय हैं और सभी बराबर हैं। एक स्वतंत्र देश में एक-दूसरे के बीच कोई भेद नहीं हो सकता। सभी के पास समान अवसर, समान अधिकार और समान उत्तरदायित्व होना चाहिए। इसे अभ्यास या व्यवहार में उतार पाना कठिन है परंतु हमें इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सदैव कार्य करते रहना होगा।

सरदार पटेल के

अनुसार राष्ट्रीय एकता ही भारत को सामर्थ्यवान बना सकेगी। एकता को सदा पोषित करना होगा। इसके लिए वे 'नागरिकों' को लघु अस्मिता के दायरे से उठने का आह्वान भी करते हैं। उन्हें यह मालूम था कि आने वाले दिनों में राष्ट्रहित और लघु समूहों के हितों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी कारण वे इनके बीच सामंजस्य के लिए गांधीजी के आदर्श साधनों को लोकजीवन में अपनाने की पैरवी करते हैं ।

भारत के विभाजन को लेकर सरदार पटेल की राय थी कि तत्कालीन परिस्थितियों में वही एकमात्र समुचित विकल्प बचा था 卐यह ठीक ही हुआ कि सारी बुराइयों के बावजूद हम विभाजन पर सहमत हो गए। विभाजन को स्वीकार करने को लेकर मैंने कभी पछतावा नहीं किया। एक साल के संयुक्त सरकार चलाने के अनुभव से जब हम विभाजन से सहमत नहीं थे, मुझे यह ज्ञात हुआ कि यदि हम सहमत न होते तो बड़ी भारी गलती हुई होती और पछतावा होता। इसका परिणाम दो टुकड़ों में नहीं वरन देश कई टुकड़ों में हम सबका विभाजन से सहमत होना देश की भलाई में था।''

पटेल की इस स्वीकारोक्ति में एक तरह की भविष्य की इबारत लिखी थी। वे आगे की स्थिति की संकल्पना कर रहे थे। उनकी दृष्टि में आंतरिक शांति और एकता दोनों ही अपरिहार्य थे। वे विभाजनकारी शक्तियों के समूल नाश के लिए स्वयं प्रतिबद्ध थे और सबसे अपेक्षा भी करते थे। यह प्रतिबद्धता ही

भारत की उनकी परिकल्पना का अद्वितीय पक्ष है जिसके लिए राष्ट्रबोध सदैव बना रहना चाहिए। सरदार पटेल राष्ट्रबोध को साकार करने का आह्वान करते हैं। वे राज्य की व्यवस्थाओं के भीतर विद्यमान जड़ताओं से मुक्ति को भी आवश्यक मानते हैं। राज्य अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके, इसके लिए राज्य के तंत्रों को भी अपनी मन:स्थिति और कार्यसंस्कृति को बदलना होगा। सरदार पटेल सूक्ष्म स्तर पर अपने स्वार्थ को साध रहे समूहों को चिन्हित करते हैं और उनको सचेत करते हैं कि जिस प्रतिरोध को वे अपने हित का माध्यम मान रहे हैं, उससे कहीं न कहीं उनका भी नुकसान हो रहा है। वे राजनीति द्वारा आर्थिक हितों को साधने की प्रवृत्ति को भी प्रश्नांकित करते हैं। उनके अनुसार राजनीतिक और आर्थिक हितों के नाम पर लोकतंत्रात्मक मूल्यों की अनदेखी से व्यवस्था की अवनति होगी।

सरदार पटेल ने देश के प्रत्येक समूह को राष्ट्रनिर्माण के लिए आमंत्रित किया। किसान, उद्योगपति, व्यापारी, विद्यार्थी सभी से वे खुला संवाद करते हुए उनके मन में भविष्य के भारत की परिकल्पना करते थे। वे तत्कालीन परिस्थितियों में आमजन की उदासीनता को दूर करने के लिए राज्य के उस स्वरूप को आगे रखते थे जहां राज्य शक्ति से संचालित न होकर नागरिकों के शक्तिपुंज से संचालित था। भारतीय लोक मानस में आज भी सरदार पटेल की दृढ़ता, देश के प्रति नि:स्वार्थ अनुराग और स्वतंत्रता के प्रति आग्रह की उज्ज्वल छवि एक मिसाल के रूप में अंकित हैं। त्याग और समर्पण के साथ उनके द्वारा एक समर्थ भारत की आधारशिला रखी गई। समता, समानता और स्वतंत्रता इस अभिनव संकल्पना के मूल तत्व थे । यह स्वतंत्रता अक्षत बनी रहे इसके लिए सतर्कता, तैयारी और सामर्थ्य की सदैव अपेक्षा रहेगी। एक आदर्श नेतृत्व द्वारा सरदार पटेल ने दृढ़ता और समर्पण के साथ सक्रिय और संवेदनयुक्त शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया था । अमृत काल के संकल्पों लिए भी राष्ट्र की अखंडता को अपने छोटे स्वार्थों से ऊपर रखते हुए समर्पण और राष्ट्र जागरण आज भी आवश्यक है।

आज सत्ता के प्रयोजन और देश के प्रति दायित्व प्रश्नांकित होने लगे हैं। एक आख्यान गढ़ने, सब्ज़बाग़ दिखा कर फ़ौरी तौर पर जनता को रिझाने की कोशिश होती है। आज पार्टी कोई भी हो सत्ता हासिल करना और सत्ता पर क़ाबिज़ हो कर उस पर अधिकार ज़माना ही राजनीति का अकेला प्रयोजन हो चुका है। नैतिकता और नियत कर्तव्य से मुंह मोड़ कर लोग स्वार्थ, लोभ और मुफ़्तख़ोरी का आश्रय ले रहे हैं। स्वच्छन्द होकर अपने लिए अधिकाधिक छूट की गुंजाइश बनाने में लग रहे हैं । ऐसे में सरदार पटेल की स्मृति आश्वस्त करती है कि देश-निर्माण जैसे बड़े लक्ष्य धैर्य, संयम, दृढ़ता और साहस से ही साधे जा सकते हैं। इसके लिए सरदार जैसी देश के प्रति निष्ठा और संलग्नता जरूरी होगी।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

सरदार पटेल की कल्पना के भारत में एकता और शांति बाहर से थोपे और जबरन शक्ति से नियंत्रित होने वाले तत्व नहीं है बल्कि वे भारत के निर्माता नागरिकों की स्वभावगत विशेषताएं हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें %लौह पुरुष% भी कहा जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भर कर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

समाहिन से हैलोवीन तक- आत्माओं, अलाव और आनंद का उत्सव

- योगेश कुमार गोयल

हैलोवीन ऐसा उत्सव है जो हर साल 31 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह केवल एक पार्टी या वेशभूषा का पर्व नहीं है बल्कि इसमें इतिहास, रहस्य और संस्कृति का अनूठा संगम छिपा है। पश्चिमी ईसाई धर्म के ऑल सेंट्स डे की पूर्व संध्या पर मनाया जाने वाला यह पर्व आधुनिक समय में मनोरंजन और डरावने रस के साथ-साथ ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी रखता है। इसकी जड़ें प्राचीन सेल्टिक परंपराओं में हैं, जो आज के आधुनिक स्वरूप तक विकसित होती चली आई हैं।

हैलोवीन की उत्पत्ति लगभग सातवीं शताब्दी तक जाती है, जब सेल्टिक लोग अपने नए साल के जश्न 'समाहिन' के अवसर पर बुरी आत्माओं को दूर भगाने के लिए अलाव जलाते और मुखौटे पहनते थे। यह पर्व मुख्यत: फसल के मौसम के अंत और ठंडी ऋतु के आगमन का संकेत देता था। उन्हें विश्वास था कि इस दिन मृतकों की आत्माएं धरती पर वापस आती हैं और जीवित लोगों की दुनिया के बीच की सीमा धुंधली हो जाती है। इसलिए, वे अपने घरों और गांवों को आग और धुएं से सुरक्षित रखते, डरावने मुखौटे पहनते और जश्न मनाते।

समाहिन उत्सव के दौरान लोग रात में बड़े अलाव जलाते और उनसे निकलने वाली रोशनी और धुआं बुरी आत्माओं को भटकाने के काम आता। इसके साथ ही, लोगों ने अपने चेहरे पर डरावने मुखौटे पहनकर आत्माओं को भ्रमित करने और सुरक्षित रहने की परंपरा बनाई। यह सामूहिक उत्सव न केवल सामाजिक एकता का प्रतीक था बल्कि जीवन और मृत्यु, अंधकार और प्रकाश के बीच के संबंध को भी दर्शाता था। सेल्टिक परंपराओं में रोमनों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रोमनों ने सेल्टिक क्षेत्रों में अपने धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को समाहित किया। इनमें से एक प्रमुख उत्सव था 'फेरालिया', जो खोई हुई आत्माओं की स्मृति और सम्मान में मनाया जाता था। रोमन परंपराओं के शामिल होने से हैलोवीन उत्सव को नया अर्थ मिला, जिसने इसे अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक रूप दिया।

हैलोवीन आधुनिक समय में केवल धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व नहीं रहा, यह अब एक वैश्विक उत्सव बन गया है, जिसमें रचनात्मकता, डर और मनोरंजन का समावेश है। कद्दू को काटकर चेहरे उकेरे जाते हैं और उसके भीतर मोमबत्तियां लगाई जाती हैं। यह केवल सजावट नहीं बल्कि प्राचीन विश्वास के अनुसार बुरी आत्माओं को डराने और उन्हें घर से दूर रखने का माध्यम भी है। अजीब तरह के चेहरे और प्रकाश का खेल रात के अंधकार में डर और रहस्य को बढ़ा देता है। हैलोवीन के दौरान 'ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग' का चलन सबसे मजेदार और बच्चों के लिए प्रिय परंपरा है। यह परंपरा मध्यकालीन यूरोप से आई है, जब लोग मृतकों की आत्माओं के सम्मान में अपने घरों पर भोजन और मिठाई छोड़ते थे। धीरे-धीरे यह खेल-खेल में बच्चों के लिए मिठाई और उपहार लेने की परंपरा में बदल गया। आज, बच्चे डरावने वेशभूषा में अपने पड़ोसियों के घर जाकर मिठाई लेने का आनंद लेते हैं और यदि उपहार न मिले तो हल्की शरारत करना भी इस परंपरा का हिस्सा बन गया है।

हैलोवीन की रंगत में काले और नारंगी रंग का विशेष महत्व है। नारंगी रंग फसल और पतझड़ के मौसम का प्रतीक है जबकि काला अंधकार, मृत्यु और रहस्य को दर्शाता है। सांस्कृतिक रूप से हैलोवीन ने दुनियाभर में अपनी पैठ बना ली है। अमेरिका में इसे बड़े उत्साह और व्यावसायिकता के साथ मनाया जाता है। घरों और दुकानों में डरावनी सजावट की जाती है, थीम आधारित पार्टियां आयोजित की जाती हैं और बच्चों के साथ-साथ व्यस्क भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। इसके अलावा, हॉरर फिल्मों की स्क्रीनिंग और हैलोवीन खेल जैसे भूतिया घर की सैर, डरावनी कहानी सुनाना और परंपरागत खेल इस उत्सव की आकर्षक विशेषताएं हैं।

हैलोवीन के आधुनिक उत्सव में खाद्य संस्कृति का भी एक अलग ही महत्व है। कैंडी, कैंडी सेब, मिठाई और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन इस दिन का मजा बढ़ाते हैं। बच्चों के लिए यह दिन केवल डर और मजा ही नहीं बल्कि साझा करने और आनंद लेने का भी प्रतीक है। मोमबत्तियां, अलाव और सजावट से जुड़े तत्व इसे एक सामूहिक और सामाजिक अनुभव में बदल देते हैं, जो परिवार और मित्रों के साथ बिताए गए समय को यादगार बनाता है।

हैलोवीन केवल डर और मनोरंजन का पर्व नहीं है, बल्कि यह मानव संस्कृति और इतिहास का प्रतीक भी है। समय के साथ हैलोवीन का महत्व बदलता रहा है लेकिन इसका मूल संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे आप जैक-ओ-लालटेन बनाएं, ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग करें या केवल दोस्तों के साथ डरावनी कहानियां साझा करें, हैलोवीन हर बार नए अनुभव और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव जीवन की जटिलताओं, अंधकार और प्रकाश के बीच संतुलन का प्रतीक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

समाहिन उत्सव के दौरान लोग रात में बड़े अलाव जलाते और उनसे निकलने वाली रोशनी और धुआं बुरी आत्माओं को भटकाने के काम आता। इसके साथ ही, लोगों ने अपने चेहरे पर डरावने मुखौटे पहनकर आत्माओं को भ्रमित करने और सुरक्षित रहने की परंपरा बनाई। यह सामूहिक उत्सव न केवल सामाजिक एकता का प्रतीक था बल्कि जीवन और मृत्यु, अंधकार और प्रकाश के बीच के संबंध को भी दर्शाता था। सेल्टिक परंपराओं में रोमनों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रोमनों ने सेल्टिक क्षेत्रों में अपने धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को समाहित किया।

अरुणाचल प्रदेश की अंडर-19 टीम में प्रयागराज की साधना का हुआ चयन

एजेंसी

प्रयागराज। कैंटोन्मेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी की प्रशिक्षु साधना पाल का चयन बीसीसीआई द्वारा लखनऊ के इकना स्टेडियम में 26 अक्टूबर से आयोजित वूमेंस अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी के लिए अरुणाचल प्रदेश की टीम में हुआ है। वह इस टूर्नामेंट के दो मैच में प्रतिभाग भी कर चुकी हैं। यह जानकारी साधना पाल के कोच संजीव कुमार ने दी है। साधना कैंटोन्मेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी के कोच संजीव कुमार से प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। अशोक नगर निवासी हरिश्चंद्र पाल एवं शमा पाल की पुत्री साधना दाहिने हाथ की ओपनर बल्लेबाज हैं। साधना के चयन पर छावनी परिषद प्रयागराज के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम और कैंटोन्मेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी के कोच संजीव कुमार ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

कासिम स्मृति अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज को मिली जीत

प्रयागराज। दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने हरिनाथ सिंह क्लब वाराणसी को आठ विकेट से हराकर सैयद असद कासिम स्मृति अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये। दौलत हुसैन मैदान पर खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले खेलते हुए हरिनाथ सिंह क्लब ने 25.3 ओवर में 84 रन (हार्दिक नारायण तिवारी 23, शिवांश सोमवंशी 19, आशीष पाल 15, अभय राज यादव 3-16, मोहम्मद अनस 3-18, मोहम्मद हमदान 3-30, अभय गौतम 1-04) बनाए। जवाब में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर 88 रन (सूरज चौहान 36 नाबाद, अब्दुल्ला हस्सान 18, यश पटेल 2-13) बना लिए। मोहम्मद अनस को पूर्व क्रिकेटर एस.एम.आर. नकवी ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। मैच में मोहम्मद आरिफ व मोहम्मद नबी अम्पायर एवं खुर्शीद अहमद व मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

बारिश ने बिगाड़ा मजा, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रद्द हुआ पहला टी20 मुकाबला

कैनबरा। बारिश ने एक बार फिर क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। पांच मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने तेज शुरुआत दिलाई और 3.4 ओवर में 35 रन जोड़ दिए। चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर अभिषेक को नाथन एलिस ने अपना शिकार बनाया। 5वें ओवर की समाप्ति पर बारिश शुरू हो गई और जब रुकी तो मैच 18-18 ओवर का कर दिया गया। इसके बाद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव ने मात्र 35 गेंदों में 62 रनों की चमकदार साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत का स्कोर 9.4 ओवर में 97/1 था, तभी आसमान में काले बादल छा गए और एक बार फिर तेज बारिश शुरू हो गई और खेल रोक दिया। हालांकि, इसके बाद बारिश नहीं रुकी और अंपायरों ने मुकाबला रद्द घोषित कर दिया। बारिश से बाधित यह मैच भले ही परिणाम नहीं दे सका, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों के तेवरों ने दर्शकों को आने वाले मुकाबलों के लिए रोमांचित जरूर कर दिया।

वरुण एरॉन की भविष्यवाणी, दूसरे टी20 में ये खिलाड़ी खेलेगा बड़ी पारी

नई दिल्ली: पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरुण एरॉन ने कहा है कि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव मेलबर्न में होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में एक बड़ी पारी खेलेंगे। पहले टी20 में सूर्यकुमार ने 39 रन नाबाद की दमदार पारी खेलकर आलोचकों को जवाब दिया था, जब बारिश के कारण मैच रद्द करना पड़ा। उन्होंने शुभमन गिल (37 नाबाद) के साथ 62 रन की साझेदारी निभाई थी। एरॉन ने कहा, पहले मैच की 39 रन की पारी ने सूर्यकुमार का आत्मविश्वास काफी बढ़ाया है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज भी वैसे दौर से गुजरे हैं, और सूर्यकुमार ने अब उस दौर को पीछे छोड़ दिया है। जॉश हेजलवुड के खिलाफ लगाया गया पहला छक्का अपने आप में एक बयान था – पिछली गेंद पर बीट होने के बाद भी उन्होंने बेखौफ होकर अगली गेंद पर शानदार छक्का जड़ा। उन्होंने आगे कहा, बारिश ने उनके स्कोर को बढ़ने नहीं दिया, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में जीत का इरादा साफ झलक रहा था। लंबे समय तक टी20 में नंबर-1 बल्लेबाज रहे सूर्यकुमार के लिए यह पारी सही समय पर आई है। अब उम्मीद है कि मेलबर्न में वह बड़ी पारी खेलकर आलोचकों को पूरी तरह शांत कर देंगे।

श्रेयस अय्यर ने चोट पर दी अपडेट, कहा- 'मैं हर दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चोट को लेकर अपडेट साझा किया। उन्होंने बताया कि वे फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हैं और हर दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्रेयस ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'मैं फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हूं और हर गुजरते दिन के साथ बेहतर हो रहा हूं। मुझे मिली सभी शुभकामनाओं और सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपका धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी दुआओं में रखा।' सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान श्रेयस को डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में पसलियों में चोट लग गई थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा।

बाद में जांच में प्लीहा में चोट की पुष्टि हुई। हालांकि, सोमवार को उनकी हालत स्थिर होने के बाद उन्हें आईसीयू से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया। इससे पहले, टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को श्रेयस की स्थिति पर जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, ÷जब मुझे उनकी चोट के बारे में पता चला, तो मैंने हमारे फिजियो कमलेश जैन से बात की। अब श्रेयस फोन पर जवाब दे रहे हैं, इसका मतलब है कि वे स्थिर हैं। सूर्यकुमार ने आगे कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि ऐसे मामले बहुत कम होते हैं लेकिन दुर्लभ चीजें दुर्लभ प्रतिभाओं के साथ ही होती हैं। भगवान की कृपा से सब कुछ अब ठीक है। सीरीज खत्म होने के बाद हम उन्हें घर ले जाएंगे।'

कनाडियन स्क्वैश ओपन के सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

एजेंसी

टोरंटो। भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे – उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्क्वैश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है। फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया। कैनेडी ने कहा, 'मेरा और अमीना का सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वह हाल में बेहतरीन फॉर्म में हैं और मैं उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं।'

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी जारी ताज़ा वेतन सूची में सामने आई। मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है। 2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरुआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं।

38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीज़न का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दागे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है। टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अगस्त में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ़ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश

मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीज़न के अंत में संन्यास लेंगे। वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हिर्विंग 'चक्की' लोज़ानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं।

पेरिस मास्टर्स :ज़्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिंदरनेक को फिर हराया

पेरिस। मौजूदा चैंपियन अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरुआत के बावजूद तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी। पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज़्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ़ 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्कराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज़्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की। अब ज़्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काज़ो से भिड़ेंगे। दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड को जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुँच गए।

विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई। दिन की शुरुआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वैलेंटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिंदरनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की। कनाडा के नौंवी वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्ज़ांद्र मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फ़ाइनल्स की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। ऑगर-अलियासिम वर्तमान में एटीपी रेस में नौवें स्थान पर हैं।

पीकेएल-12 (क्वालीफायर-2) : आदित्य-अजीत की जोड़ी ने पुनेरी पल्टन को फाइनल में पहुंचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में रात खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में पुनेरी पल्टन ने रोमांचक खेल दिखाते हुए तेलुगू टाइटंस को 50-45 से मात दी और फाइनल में जगह बना ली। अब पल्टन का सामना 31 अक्टूबर को दबंग दिल्ली केसी से होगा। पल्टन की जीत के हीरो रहे आदित्य शिंदे, जिन्होंने शानदार 22 रेड प्वाइंट झटके, जबकि अजीत पवार ने 10 डिफेंस प्वाइंट जोड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, तेलुगू टाइटंस के लिए भरत ने 22 और कप्तान विजय मलिक ने 11 अंक जुटाए, लेकिन टीम का बोनस प्वाइंट्स पर अधिक निर्भर रहना भारी पड़ा। टाइटंस ने शुरुआती मिनटों में दमदार शुरुआत की थी। भरत और डिफेंस की बदौलत टीम ने चौथे मिनट में ही 5-1 की बढ़त बना ली। भरत ने शानदार रेड करते हुए पल्टन

को आलआउट कर स्कोर 10-1 कर दिया। हालांकि, पल्टन ने संयम के साथ वापसी की और पहले हाफ के अंत तक अंतर घटाकर 20-24 कर लिया। दूसरे हाफ में पल्टन ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए टाइटंस पर दबाव बढ़ाया। आदित्य ने लगातार रेड में अंक बटोरे, वहीं अजीत ने डिफेंस में शानदार टैकल करते हुए भरत को कई बार रोका। 30वें मिनट में आदित्य के मल्टीपॉइंट रेड ने मैच का रुख बदल दिया, जिससे स्कोर 32-32 की बराबरी पर पहुंच गया।

इसके बाद पल्टन ने टाइटंस को तीसरी बार आलआउट किया और 38-37 की बढ़त ले ली। 35वें मिनट में आदित्य की दो अंकों की रेड और फिर छह खिलाड़ियों के डिफेंस के बीच चार अंक की सुपर रेड ने मुकाबले को लगभग पल्टन के पक्ष में कर दिया। अंततः पुनेरी पल्टन ने चौथी बार टाइटंस को आलआउट करते हुए मुकाबला 50-45 से जीत लिया। यह जीत पल्टन के लिए बेहद खास रही क्योंकि टीम अब चार सीजन में तीसरी बार फाइनल में पहुंची है, जबकि टाइटंस को एक और सीजन में निराशा का सामना करना पड़ा।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज, रियल मैड्रिड मांगेगा हर्जाना

एजेंसी

मैड्रिड। यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से 'बड़े पैमाने पर' मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है। दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों – जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे – ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण यह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई। दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध करके मुक्त प्रतिस्पर्धा को बाधित किया और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया। अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं।रियल मैड्रिड ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, यह फैसला पुष्टि करता है कि सुपर लीग मामले में यूएफा ने यूरोपीय संघ के मुक्त प्रतिस्पर्धा के नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है।' क्लब ने आगे कहा कि वह विश्व फुटबॉल और प्रशंसकों के हित में काम करना जारी रखेगा, साथ ही यूईएफए से पर्याप्त हर्जाना भी मांगेगा।'

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

एजेंसी

गुवाहाटी। एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वार्ड्ट ने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की

साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 01 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी। कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए।

तकनीकी विवि: 24 शिक्षण संस्थानों के 750 खिलाड़ी दिखाएं प्रतिभा

एजेंसी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय की तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (इंटर कॉलेज) गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी हमीरपुर में शुरू हुई। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ में तकनीकी विवि के कुलसचिव कमल देव सिंह कंवर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ राजेश कुमार विशेष अतिथि रहे। कुलसचिव ने दीप प्रज्वलित कर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कुलसचिव ने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में खेलने का आह्वान किया। साथ ही खेल नियमों की पालन और मैच में के साफ स्पर्धा का परिचय देने के लिए प्रेरित किया। तकनीकी विवि की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में 24 संबंधित शिक्षण संस्थानों के 750 खिलाड़ी ले रहे हैं, जिसमें 530 छात्र और 220 छात्राएं शामिल है।

इस वर्ष छात्र व छात्रा वर्ग की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में इस वर्ष कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, जूडो, शतरंज, कैरम बोर्ड, टेबल टेनिस और पिकलबॉल खेल शामिल किए गए हैं। इस मौके पर गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी हमीरपुर के प्रबंध निदेशक जगदीश गौतम, रजनीश गौतम, प्राचार्य डॉ संजय कुमार, डॉ कपिल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों की टीम के साथ आए प्राध्यापक मौजूद रहे। खेलकूद प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी के छात्र वर्ग का पहला मुकाबला विनायका कॉलेज ऑफ फार्मेसी और शहीद भगत सिंह फार्मेसी कॉलेज पालमपुर के बीच खेला गया, जिसमें विनायका ने एकतरफा जीत हासिल कर 49-16 अंक से शहीद भगत सिंह कॉलेज की टीम को पराजित किया। दूसरे मुकाबले में हाइट शाहपुर ने मिनर्वा फार्मेसी कॉलेज इंदौरा को 45-30 अंक से हराया। तीसरे मैच में फार्मेसी कॉलेज रोहडू ने नगरोटा बगवां को 48-20 अंक से हराया। इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां ने जवाहर लाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदरनगर को 41-31 अंक से हराया और पीजी कॉलेज धर्मशाला ने लॉरेट इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी कथोग को 41-16 अंक से हराया। वहीं, छात्रा वर्ग के वालीबॉल के पहले मुकाबले में इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदरनगर और बंदला बिलासपुर के बीच खेला गया, जिसमें बंदला की टीम जीती।

ट्रेनिंग के दौरान हादसा, 17 साल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत, टी20 मैच की तैयारी कर रहा था युवा खिलाड़ी

एजेंसी

मेलबर्न : मेलबर्न के 17 साल के क्लब क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान गर्दन पर गेंद लगने से दुखद मौत हो गई। मेलबर्न के बाहरी पूर्वी इलाके में फर्न्ट्री गली में हुई इस घटना के बाद बेन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे। टी20 मैच की तैयारी के लिए साइडआर्म से गेंदें फेंकी जा रही थीं, जिसे 'वैंगर' भी कहा जाता है। हालांकि उन्होंने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन उसमें स्टेम गार्ड नहीं था। बेन अपने साथियों के साथ टी20 मैच से पहले नेट्स में गेंदों से प्रैक्टिस कर रहे थे, तभी उन्हें चोट लगी। एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट और इंटेंसिव केयर पैरामेडिक्स बेन को मोनाश चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ले गए, जहां उनकी मौत हो गई। फर्न्ट्री गली क्रिकेट क्लब ने गुरुवार को उनकी मौत की घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, 'हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं, और उनकी मौत का असर हमारे पूरे क्रिकेट समुदाय पर पड़ेगा। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार जेस, ट्रेसी, कूपर और जैक, उनके बड़े परिवार, उनके दोस्तों और उन सभी के साथ हैं जो बेन को जानते थे और उस खुशी को जानते थे जो वह लाते थे। क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस ऑस्टिन और ऑस्टिन परिवार की ओर से एक बयान जारी किया जिसमें लिखा था, हम अपने प्यारे बेन की मौत से बहुत दुखी हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया 'पुणे ग्रैंड टूर 2026' का लोगो और जर्सी लॉन्च

एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने द वेस्टिन होटल, पुणे में भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रेस 'बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026' के लोगो और जर्सी का अनावरण किया। यह आयोजन महाराष्ट्र सरकार, पुणे जिला प्रशासन और साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक इवेंट पुणे की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और खेल विरासत को समर्पित है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह प्रतियोगिता पुणे की पहचान को फिर से 'सिटी ऑफ साइकिल्स' के रूप में स्थापित करेगी और पर्यटन, स्वास्थ्य व पर्यावरण जागरूकता को नया आयाम देगी। उन्होंने कहा, 'पुणे सदैव साइक्लिंग का केंद्र रहा है, और 'पुणे ग्रैंड टूर' इस परंपरा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा। यह आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देगा, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छ पर्यावरण के संदेश को भी सशक्त करेगा।' उपमुख्यमंत्री और पुणे के पालकमंत्री अजीत पवार ने इसे महाराष्ट्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह आयोजन सह्याद्री की घाटियों से गुजरते हुए 200 से अधिक गांवों को जोड़ेगा। उन्होंने कहा, ÷यह केवल खेल नहीं बल्कि स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन और विकास का उत्सव है। केंद्रीय युवा कार्य और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' और '2036 ओलंपिक विजन' से जुड़ा एक प्रेरणादायी कदम है। उन्होंने बताया कि 'संडेज ऑन साइकिल' जैसे अभियानों से देशभर में साइक्लिंग एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है, जिसमें हर हफ्ते 5,000 से अधिक स्थानों पर करीब 5 लाख लोग भाग लेते हैं। स्मृति स्वरूप के रूप में कार्यक्रम में 'इंदु' नामक शुभंकर (मैस्कॉट) भी लॉन्च किया गया, जो भीमाशंकर के जंगलों में पाई जाने वाली दुर्लभ भारतीय विशाल गिलहरी से प्रेरित है। यह चपलता, सहनशीलता और पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने 77 वर्षीय वरिष्ठ साइक्लिस्ट निरुपमा भावे के साथ प्रीति म्हास्के, प्रणिति सोमन, भरत सोनवणे, आकाश मेहत्रे और पूजा दनोल को सम्मानित किया।कार्यक्रम में एशियन साइक्लिंग महासंघ के अध्यक्ष दातो अमरजीत सिंह गिल, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव दातो मनिंदर पाल सिंह, शहरी विकास राज्यमंत्री माधुरी मीसल, पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के नगर आयुक्त, जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी और खेल आयुक्ता शीतल तेली-उगले सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। 'पुणे ग्रैंड टूर 2026' का मुख्य प्रायोजक बजाज ग्रुप है, जबकि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, चितले बंधु और पंचशील ग्रुप इसके सहयोगी हैं। यह आयोजन न केवल पुणे बल्कि पूरे भारत के लिए साइक्लिंग, फिटनेस और पर्यटन के नए युग की शुरुआत करेगा।

डॉलर की तुलना में 7 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की खरीदारी का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने पॉजिटिव माहौल के कारण रुपया आज डॉलर समेत ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 7 पैसे उछल कर 88.20 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 88.27 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की तेजी के साथ 88.22 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की मांग बढ़ने के कारण रुपया अपनी सारी बढ़त गंवा कर 8 पैसे की कमजोरी के साथ 88.35 रुपये के स्तर तक गिर गया। लेकिन दिन के दूसरे सत्र में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली बंद करके लिवाली शुरू कर दी। इसके साथ ही कच्चे तेल का भाव भी स्थिर होता हुआ नजर आने लगा। ऐसा होने पर डॉलर की मांग में कमी आने लगी, जिससे रुपया भी मजबूत होने लगा।

शेयर बाजार में खरीदारों ने दिखाया दम, 13 महीने के ऊपरी स्तर पर बंद हुआ निफ्टी

नई दिल्ली। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज की मजबूती के कारण निफ्टी पिछले 13 महीने के ऊपरी स्तर पर बंद हुआ। आज मामूली बढ़त के साथ शेयर बाजार के कारोबार की शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले 1 घंटे के कारोबार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

कोल इंडिया का दूसरी तिमाही का मुनाफा 32 फीसदी घटकर 4,263 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सीआईएल का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 32 फीसदी घटकर 4,262.64 करोड़ रुपये रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कम बिक्री और बढ़े खर्च के चलते चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका समेकित लाभ 32 फीसदी घटकर 4,262.64 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी ने 6,274.80 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा कमाया था। सीआईएल ने कहा कि इस दौरान उसकी एकीकृत बिक्री साल 27,271.30 करोड़ रुपये से घटकर 26,909.23 करोड़ रुपये रह गई। इस दौरान कंपनी का व्यय सात फीसदी बढ़कर 26,421.86 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 24,670.70 करोड़ रुपये था। कोल इंडिया लिमिटेड की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है। कोयला क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी का सितंबर में उत्पादन सालाना आधार पर 3.9 फीसदी की गिरावट के साथ 4.89 करोड़ टन (एमटी) रहा है।

जैव विविधता कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजीः आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा है कि जैव विविधता कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी है। आचार्य बालकृष्ण 'स्वस्थ धरा' योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि कृषि में अत्याधिक रसायनों के प्रयोग से धरती पीड़ित है और भविष्य में इसके दुष्प्रभाव जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर पड़ेंगे। उन्होंने कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय के सभागार में मंगलवार को संपन्न हुए इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय और पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट के तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसमें भरुवा एग्री साइंस ने भी सहयोग किया।कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, स्थायी कृषि, दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और इसे वैश्विक स्तर पर मजबूत करना था।

ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर को लॉन्च होगा, 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियन ब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर एंकर इनवेस्टर्स बोली लगा सकेंगे। ग्रो के प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड्स, शेयर, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंसस, इक्विटी ट्रेडेड फंड्स,

आईपीओ, डिजिटल गोल्ड और अमेरिकी स्टॉक्स में निवेश किया जा सकता है। साल 2016 में शुरू हुए ग्रो प्लेटफॉर्म के पास फिलहाल 1.4 करोड़ से ज्यादा एक्टिव रिटेल इनवेस्टर हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 457.72 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जबकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 805.45 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हो गया।

वाणिज्य मंत्री ने निर्यात परिषद और उद्योग संगठनों के साथ बैठक कर निर्यात बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में निर्यात प्रोत्साहन परिषदों और उद्योग संगठनों के साथ बैठक कर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में किए गए सुधारों, निर्यात प्रदर्शन और आगामी सुधार उपायों पर चर्चा की। गोयल ने कहा कि सरकार भारतीय निर्यातकों को बेहतर वैश्विक बाजार तक पहुंच और व्यापार में सुगमता प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने उद्योग जगत को भरोसा दिलाया कि सरकार एक अनुकूल व्यापार वातावरण तैयार करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। बैठक में वाणिज्य विभाग, राजस्व विभाग, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय, विभिन्न निर्यात परिषदों और प्रमुख उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। चर्चा के दौरान निर्यात विविधीकरण की उपलब्धियों, उद्योग जगत की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ, वस्त्र, अभियांत्रिकी, रत्न एवं आभूषण, चिकित्सा उपकरण, औषधि, सेवा, हस्तशिल्प, दूरसंचार, चमड़ा, वाहन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय की पहल से भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार अवसर खुल रहे हैं। बैठक में भारतीय उद्योग परिसंघ, फिक्की, पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल, भारतीय वाहन निर्माता संघ, एसोचैम और नैसकॉम जैसे प्रमुख उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में जारी गिरावट पर लगा ब्रेक, सोना और चांदी की कीमत में आई तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में आई तेजी का असर आज घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार में सोना 1,470 रुपये से लेकर 1,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हो गया है। सोना और चांदी की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,410 रुपये से लेकर 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,210 रुपये से लेकर 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,12,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

केन्द्रीय मंत्री नायडू से मिले मप्र के उप मुख्यमंत्री, नई हवाई सेवाओं के लिए व्यक्त किया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किन्जारपु से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट से प्रारंभ होने वाली रीवा-दिल्ली एवं रीवा-इंदौर हवाई सेवाओं के शुभारंभ पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन हवाई सेवाओं से विंध्य क्षेत्र के नागरिकों को राजधानी दिल्ली एवं वाणिज्यिक केंद्र इंदौर से सीधी हवाई सुविधा प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्र के आर्थिक, औद्योगिक एवं पर्यटन विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में इन हवाई सेवाओं के आरंभ के लिए प्रदेश की जनता की ओर से केंद्रीय मंत्री नायडू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से केंद्रीय मंत्री नायडू को रीवा एयरपोर्ट से इन हवाई सेवाओं के शुभारंभ समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। दरअसल, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रीवा वासियों नई हवाई सेवा की सौगात दी है। अभी तक यहां से 19 सीटर विमान उड़ान भरते थे, लेकिन अब रीवा एयरपोर्ट से 72 सीटर विमान उड़ान भरेगा। मंगलवार को इसका ट्रायल किया गया, जो कि पूरी तरह से सफल रहा. इसके बाद अब 72 सीटर हैं।अधिकारियों ने बताया कि डीजीसीए से मंजूरी मिलते ही टिकट बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ट्रायल के दौरान सुरक्षा, रनवे की लंबाई और तकनीकी मानकों का सफल परीक्षण किया गया। इससे यह साबित हुआ कि रीवा एयरपोर्ट अब बड़े

विमान के उड़ान भरने का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है यह विमान रीवा से दिल्ली के लिए जल्द ही उड़ान भरेगा। रीवा से दिल्ली तक फ्लाइट कनेक्टिविटी होने से विंध्य क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। खास बात यह है कि जो 72 सीटर प्लेन पहली बार रीवा की धरती पर उतारा गया, उसके पायलट भी रीवा के ही निवासी राघव मिश्रा विमान संचालन के लिए पूरी तरह सक्षम है। अभी तक रीवा के यात्रियों को दिल्ली पहुंचने में 12 से 14 घंटे लगते थे, लेकिन अब यह दूरी महज 1.5 से दो घंटे में पूरी की जा सकेगी। इससे व्यापारियों और छात्रों दोनों को सुविधा मिलेगी। रीवा से इंदौर रूट पर उड़ान शुरू होने के बाद मध्य प्रदेश के दोनों छोरों के बीच यात्रा बेहद आसान हो जाएगी।

मध्य प्रदेश ने निर्यात क्षेत्र में रचा नया इतिहास, सर्वोच्च 66,218 करोड़ रुपये रहा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने निर्यात क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए अब तक का सर्वोच्च निर्यात 66,218 करोड़ रुपये दर्ज किया है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफआईईओ) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 66,218 करोड़ रुपये और आईटी कंपनियों (एसईजेड्स) का निर्यात 4,038 करोड़ रुपये रहा। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि निरंतर औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश की राष्ट्रीय निर्यात रैंकिंग 15वें से बढ़कर 11वें स्थान पर पहुच गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि प्रदेश के अनेक निर्यातक अपने उत्पादों का निर्यात गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाहों के माध्यम से करते हैं, जिससे उनके आँकड़े प्रायः

अन्य राज्यों के खाते में दर्ज हो जाते हैं। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजदगी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हाल ही में मध्य प्रदेश एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी का शुभारंभ किया। इस नीति के तहत निर्यातकों को प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता और विभिन्न सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं, जिससे प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुँचाने में नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार और मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) द्वारा निर्यात वृद्धि के उद्देश्य से वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन विषयक कार्यशालाएँ और प्रदर्शनियाँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रदेश के कारीगरों, किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय मानकों, निर्यात प्रक्रियाओं और वैश्विक अवसरों से जोड़ना है। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को सागर में कृषि उपकरणों के निर्यात पर कार्यशाला हुई। अगर मालवा में 29 अक्टूबर को संतरा उत्पादों के प्रसंस्करण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयकर विभाग ने टैक्स ऑडिट और आईटीआर ऑडिट की समय-सीमा 10 दिसंबर तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए कंपनियों और ऑडिट की जरूरत वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय-सीमा को बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी अधिसूचना में वित्त वर्ष 24-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए टैक्स ऑडिट और आईटीआर ऑडिट दाखिल करने की समय-सीमा को बढ़ा दी है। सामान्य तौर पर ऐसे करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर होती है।आयकर विभाग ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 यानी कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के तहत आयकर विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि को, जो अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (क) में निर्दिष्ट करदाताओं के मामले में 31 अक्टूबर, 2025 है, बढ़ाकर 10 दिसंबर, 2025 कर दिया है। विभाग ने जारी बयान में आगे कहा, पिछले वित?त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निर्दिष्ट तिथि' को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की ओर से आगे बढ़ाकर 10 नवंबर 2025 कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अदालत के आदेश के बाद यह कदम उठाया है। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालयों ने ऑडिट रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा 31 अक्टूबर, 2025 से बढ़ाकर 30 नवंबर, 2025 करने के आदेश पारित किए थे।

लॉन्च हुआ ओर्कला इंडिया का आईपीओ, 6 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। ओर्कला इंडिया का 1,667.54 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन ही ये आईपीओ 78 प्रतिशत सब्सक्राइब हो गया। इस आईपीओ में 31 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 3 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 4 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 6 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 695 रुपये से लेकर 730 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 20 शेयर का है। ओर्कला इंडिया के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 20 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले 2,28,43004 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 28 अक्टूबर शुक्रवार को ओर्कला इंडिया ने एंकर इनवेस्टर्स से 499.60 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड, अशोका व्हाइटओक इंडिया अपॉर्च्युनिटीज फंड, जुपिटर इंडिया फंड, एलआईसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज फिनसर्व कंजप्शन फंड जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.93 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.95 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.98 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लॉयीज के लिए 0.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 339.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 226.33 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 255.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2,201.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,387.99 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,455.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 78.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 605.38 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सरकारी खरीद को डिजिटल व पारदर्शी बनाने पर जीईएम और मप्र सरकार में सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में सरकारी खरीद को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) और राज्य सरकार ने मिलकर काम करने का फैसला किया है। भोपाल में हुई बैठक में जीईएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिहिर कुमार और राज्य के मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच राज्य में जीईएम प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को बढ़ाने पर चर्चा हुई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, बैठक का उद्देश्य राज्य की सभी सरकारी एजेंसियों को जीईएम प्लेटफॉर्म से जोड़ना, खरीद प्रक्रिया को सरल बनाना और छोटे उद्योगों को समान अवसर देना है। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के विभाग, सार्वजनिक उपक्रम, स्थानीय निकाय और पंचायतें अब एकीकृत ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से खरीद करेंगी, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर राज्य की खरीद नीतियों को सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) और जीईएम की शर्तों (जीईएम-जीटीसी) के अनुरूप बनाने की अपील की है। साथ ही केंद्रशासित प्रदेशों में भी सभी खरीद जीईएम प्लेटफॉर्म से करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में फिलहाल

86 हजार से ज्यादा विक्रेता जीईएम प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। मध्य प्रदेश की सूक्ष्म और लघु इकाइयों (एमएसई) को अब तक 5,523 करोड़ के ऑर्डर राज्य के खरीदारों से, 2,030 करोड़ अन्य राज्यों से और 20,298 करोड़ केंद्रीय खरीदारों से मिले हैं।

भारत के साथ व्यापार समझौते पर शीघ्र हस्ताक्षर होंगे : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

सियोल। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज कहा कि अमेरिका और भारत शीघ्र ही बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन के दौरान यह बात कही। अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच उन्होंने कहा, ''अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है। दोनों देश बहुत अरसे से लंबित एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ''अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच समझौते के मसौदे को लेकर सहमति बन गयी है और अब जल्द ही इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच इस समझौते पर बातचीत महीनों से चल रही है, जिसमें यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध और भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गये 50 फीसदी आयात शुल्क को लेकर विवाद भी जुड़ा है। अमेरिका के इस 50 फीसदी शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए दंडस्वरूप लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क भी शामिल है। ट्रंप की ये टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव कायम हैं। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को ''अनुचित एवं अविवेकपूर्ण'' करार दिया है।

मप्र ने बंद पड़ी खदानों को प्रारंभ करने में सराहनीय कार्य कियाः केंद्रीय खान मंत्रालय के सचिव

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल ने कहा कि खनन क्षेत्र में उल्लेख कार्यों के लिए मध्य प्रदेश की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बंद पड़ी खदानों को प्रारंभ करने में सराहनीय कार्य किया गया है। मध्य प्रदेश में नीलाम किये गये खनिज ब्लॉकों में भी मध्य प्रदेश राज्य ने उत्कृष्ट कार्य किया है। केन्द्रीय खान सचिव गोयल भोपाल प्रवस के दौरान यहां होटल ताज लेंक फ्रंट में मुख्य खनिज ब्लॉक के संचालन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खदान संचालन के लिये वैधानिक कठिनाई दूर करने के लिये नीलाम किये जाने के पहले जिला स्तर पर नीलाम ब्लॉक में शामिल भूमि के परीक्षण के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में वन, राजस्व एवं खनिज साधन विभाग की कमेटी गठित किये जाने के निर्देश दिये।

गोयल ने ब्लॉक के सफल बोलीदारों के साथ खनन संचालन प्रारंभ करने के लिये चर्चा की। चर्चा में बोलीदारों को वैधानिक अनुमति प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों के निराकरण के लिये सुझाव दिये। उन्होंने भारत सरकार द्वारा किये जा रहे नीतिगत प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि खनन संचालन के लिये वैधानिक अनुमति प्राप्त करने में लगने वाले समय को न्यूनतम किये जाने के लिये सरकार निरंतर प्रयासरत है, लेकिन इसमें सफल बोलीदार को भी अपने स्तर पर प्रयास करना होंगे। गोयल ने कहा कि वन मंत्रालय से भी वन अनुमति प्राप्त करने के लिये शीघ्र बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में वन अनुमति प्राप्त करने में वैधानिक कठिनाइयों को दूर करने के लिये चर्चा होगी। इसका लाभ सभी सफल बोलीदारों को प्राप्त होगा। मप्र खनिज विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने बैठक में बताया कि प्रदेश में 118 विभिन्न मुख्य खनिज ब्लॉकों का खान एवं खनिज अधिनियम एवं प्रावधान के अंतर्गत सफल नीलामी की गयी है। खनि पट्टा के 6 ब्लॉक तथा समेकित अनुज्ञप्ति के 12 ब्लॉक में कार्य प्रारंभ हो गया है। शेष ब्लॉकों में खनन संक्रियाएं प्रारंभ करने के लिये राज्य शासन द्वारा सतत रूप से समीक्षा की जा रही है। प्रमुख सचिव उमराव ने बताया कि खनिज साधन विभाग द्वारा खनन संचालन में वैधानिक अनुमति प्राप्त करने के लिये नियमानुसार आवेदन करने तथा आवेदन की पूर्ति करने में नियमों की स्पष्ट जानकारी दिये जाने के लिये कार्यशाला भी आयोजित की गयी। कार्यशाला में सफल बोलीदार, आरक्यूपी, पर्यावरण सलाहकार, वन विभाग के प्रतिनिधि, भारतीय खान ब्यूरो और एसबीआई केप के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया। खनिज साधन द्वारा किये जा रहे प्रयासों से खनन संचालन के लिये आवश्यक वैधानिक अनुमति प्राप्त करने में लगने वाले समय में निरंतर कमी परिलक्षित हुई है। इनमें आशय पत्र जारी करना, खनन योजना प्रस्तुत करना, पर्यावरण अनुमति के लिये आवेदन प्रस्तुत करना और पर्यावरण अनुमति के लिये टीओआर जारी करने में लगने वाले दिवसों में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से सफल बोलीदारों से चर्चा की जा रही है तथा उन्हें समक्ष में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिये प्रशासकीय स्तर पर चर्चा भी की जा रही है। समीक्षा बैठक में प्रशासन एवं खनिकर्म संचालक फ्रेंक नोबल, पीसीसीएफ मनोज अग्रवाल, पर्यावरण सचिव अतुल मिश्रा, मेंबर सेक्रेटरी दीपक आर्य तथा भारत सरकार खान मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, सफल बोलीदारों, उनके प्रतिनिधि और खनिज साधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन और संसद भंग करने पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन करने और संसद भंग करने पर राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों ही मामलों में दायर रिट याचिका पर अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत की अध्यक्षता में गठित संवैधानिक पीठ ने प्रारंभिक सुनवाई पूरी करते हुए राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को कारण बताओ नोटिस (शो कॉज ऑर्डर) जारी किया। इसके अलावा कोर्ट ने प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देवराज घिमिरे, नेपाल सरकार के मुख्य सचिव को भी कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए इस संबंध में 15 दिन के भीतर लिखित जवाब देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता अर्जुन प्रसाद कोइराला ने बताया कि इस पीठ में प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत के साथ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, कुमार रेग्मी, हरि फुयाल और डॉ. मनोज शर्मा हैं।

नेपाल में राष्ट्रीय सभा के 18 सदस्यों का चुनाव जनवरी में कराने का फैसला

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय सभा के रिक्त होने वाले 18 सदस्यों का चुनाव अगले साल जनवरी में कराने का निर्णय लिया है। संचार मंत्री एवं सरकार के प्रवक्ता जगदीश खरेल ने बताया कि हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया।उन्होंने बताया कि साल 2020 में चुने गए राष्ट्रीय सभा के 19 सदस्यों का कार्यकाल फरवरी में समाप्त हो रहा है। इनमें से एक सदस्य बामदेव गौतम को राष्ट्रपति ने मनोनीत किया था, जबकि शेष 18 सीटों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। राष्ट्रीय सभा सदस्य निर्वाचन अधिनियम के अनुसार किसी भी सीट के रिक्त होने से कम से कम 35 दिन पहले चुनाव कराना अनिवार्य होता है। इसलिए सरकार ने इस कानूनी प्रावधान के अनुसार चुनाव की तिथि तय की है। नेपाल में राष्ट्रीय सभा के सदस्य के निर्वाचन में संबंधित प्रदेश सभा के सदस्य, उस प्रदेश के सभी गांव पालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा नगरपालिका के मेयर और डिप्टी मेयर मतदाता के रूप में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं।

मध्य वियतनाम में बाढ़: 9 की मौत, 5 लापता

हनोई। वियतनाम के मध्य इलाके में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य व्यक्ति लापता बताए गए हैं। सरकार की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, बाढ़ के कारण दनांग शहर और होई आन में छह लोगों की मौत हो गई । दनांग देश का एक लोकप्रिय तटीय इलाका है। बाढ़ में एक लाख से भी ज्यादा घर जलमग्न हो गए हैं और बिजली एवं पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वालें इलाकों में देश के प्रमुख पर्यटन स्थल ह्यू और होई आन शामिल हैं। देश की पूर्व राजधानी ह्यू और होई आन में बारिश अभी भी जारी है। सोमवार रात तक क्षेत्र में रिकार्ड 1,000 मिलीमीटर से ज्यादा वर्षा रिकार्ड की गई। इस बीच दनांग में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और जलाशय भर चुके हैं। सरकार का कहना है कि नदियों के किनारे बसे निचले इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की भी चेतावनी दी गई है। राजधानी हनोई और व्यापारिक केंद्र हो ची मिन्ह सिटी के बीच रेल सेवा मंगलवार से ही बंद है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में मध्य वियतनाम में भारी बारिश जारी रहेगी। कुछ इलाकों में बुधवार सुबह से गुरुवार रात तक 400 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार समझौता, ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ग्योंगजू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार समझौता होने की घोषणा की जिससे दक्षिण कोरिया की मुद्रा वॉन, डॉलर के मुकाबले मजबूत हुई है। यह समझौता व्यापार पर निर्भर दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण समझा जा रहा है । इस बीच दक्षिण कोरिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड ऑर्डर ऑफ मुगुन्हवा से सम्मानित किया है। साथ ही उन्हें प्राचीन सिला राजवंश के स्वर्ण मुकुट की प्रतिकृति भी भेंट की गई। यह सम्मान पाने वाले ट्रंप पहले अमेरिकी नेता हैं । एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में भाग लेने यहां पहुंचे ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बातचीत के बाद समझौते की घोषणा की । उन्होंने कहा, यह समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका है।÷ समझौते के तहत, दक्षिण कोरिया के कार और स्टील उत्पादों पर अमेरिकी आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया जाएगा। जुलाई में हुए प्रारंभिक समझौते में यह दर तय की गई थी, लेकिन अब इसे ही अंतिम रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इससे दक्षिण कोरियाई कंपनियां जापानी प्रतिस्पर्धियों के बराबर हो जाएंगी, जिन्हें पहले ही 15 प्रतिशत आयात शुल्क का लाभ मिल चुका है। इस बीच दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। इसमें से 200 अरब डॉलर नकद 20 अरब डॉलर की किश्तों में दिए जाएंगे।

अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी ने कहा- कभी-कभी टकराव सामान्य बात, ट्रंप ने कहा-आप महान नेता

एजेंसी

बुहान (दक्षिण कोरिया)। दक्षिण कोरिया के बड़े शहर और प्रमुख व्यापारिक केंद्र बुहान में इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी जिनपिंग ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि दोनों शक्तियां 'हमेशा एकमत नहीं रहेंगी'। 'कभी-कभी टकराव' होना 'सामान्य' बात है।

फाइनेंशियल टाइम्स ने आज इस शिखर सम्मेलन के शुरू होने के बाद अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन शुरू होते ही ट्रंप ने शी जिनपिंग को 'महान नेता' बताया। उल्लेखनीय है कि टैरिफ की समय सीमा करीब आने के बीच ट्रंप और शी बातचीत कर रहे हैं। यह शिखर

वार्ता दो घंटे तक चलने की उम्मीद है। इससे पहले द कोरिया हेराल्ड अखबार ने इस शिखर सम्मेलन पर अपनी रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन पर सारी दुनिया की निगाह टिकी हुई है। दोनों नेताओं के बीच शिखर सम्मेलन सुबह लगभग 11 बजे (स्थानीय समय) गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के नारायमारू स्वागत कक्ष में शुरू हुआ है। शी जिनपिंग गुरुवार सुबह 10:30 बजे चीन की ध्वजवाहक एयरलाइन एयर चाइना की उड़ान से गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। जिनपिंग की 11 वर्षों में यह पहली दक्षिण कोरिया की यात्रा है।

ट्रंप सुबह लगभग 10:20 बजे पहुंचे। चीन के विदेश मंत्रालय और व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह बैठक लगभग दो घंटे चलने की उम्मीद है। ट्रंप शिखर सम्मेलन के ठीक बाद दोपहर 12:55 बजे वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे।

जून 2019 के बाद जिनपिंग से यह उनकी पहली मुलाकात है। शी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर दक्षिण कोरिया पहुंचे हैं। वह एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ग्योंगजू भी जाएंगे।

नेपाल के कई एयरपोर्ट बंद, मौसम में खराबी के कारण कई अंतराष्ट्रीय विमानों को दिल्ली डाइवर्ट किया गया

एजेंसी

काठमांडू। बीती रात से लगातार बारिश और मौसम में बदलाव की वजह से देश के कई एयरपोर्ट फिलहाल बंद हैं। तेज बारिश के कारण विमानस्थलों का विजिबिलिटी न्यून होने के कारण विमानों के उड़ान अवतरण को रोक दिया गया है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के प्रवक्ता रिन्जी शेर्पा ने कहा कि काठमांडू आने वाली उड़ानों में दिक्कतें आ रही हैं।

देश के विभिन्न गंतव्यों से काठमांडू आने वाली विमानों को समस्या होने के कारण कई आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय विमानों को डाइवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, फिलहाल काठमांडू एयरपोर्ट खुला है लेकिन भरतपुर, जनकपुर, सिमरा, भद्रपुर, विराटनगर और पोखरा एयरपोर्ट बंद हैं। भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाला श्रीएयर का विमान वापस भैरहवा लौट गया है। इसी तरह दिल्ली से काठमांडू आ रहा इंडिगो का विमान भी वापस दिल्ली भेजा गया है। प्रवक्ता शेर्पा के अनुसार, श्रीएयर का विराटनगर से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान भी मौसम खराबी के कारण विराटनगर लौट गया है। इसी तरह नेपाल एयरलाइंस की दोहा से काठमांडू आ रही उड़ान को दिल्ली की ओर डायवर्ट किया गया है।

पाकिस्तान के सैनिकों का क्वेटा की पहाड़ी पर पर्यटकों पर ड्रोन हमला, नौ घायल

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में तेज हुई आजादी की मांग के बीच संघीय सरकार की सेना के क्वेटा के उपनगर चल्टन की पहाड़ियों पर हुए ड्रोन हमले में पिकनिक मना रहे नौ युवक घायल हो गए। इसी बीच, सेना और बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री ने सफाई दी कि ड्रोन हमले में सैलानियों को नहीं, आतंकवादियों को निशाना बनाया गया।

पश्तो भाषा में प्रसारित द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह ड्रोन हमला कब किया गया। मगर यह कहा गया कि यह हमला उस समय हुआ जब प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हज़ारगंज (चल्टन) में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घायलों में जहांज़ेब मोहम्मद शेही, मोहम्मद इमरान समलानी, मकबूल अहमद, जाहिद, मंजूर अहमद दौलत खान, अरबाब, रफीक लहरी और वाजिद अली हैं। एक घायल व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

रिपोर्ट में सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह ड्रोन हमला आतंकवादियों के ठिकानों पर किया। पाकिस्तानी सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मीडिया को बताया कि आतंकवादियों के ठिकानों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया गया और भारी गोलीबारी के बाद 14 आतंकवादी मारे गए। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस घटना को आतंकवादियों के खिलाफ

कार्रवाई बताया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अधिकारियों के बयान और जमीनी हकीकत विरोधाभासी हैं। पीड़ित पर्यटक हैं, जबकि सैन्य अधिकारी उन्हें आतंकवादी बता रहे हैं।

चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव से नेपाल में मूसलधार बरसात, प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा

एजेंसी

काठमांडू। चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव से रात से लगातार हो रही भारी बारिश ने काठमांडू सहित देश के अधिकांश हिस्सों को प्रभावित किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने देश की सभी प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ने और बाढ़ की आशंका जताई है।

जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आज कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है। चक्रवात का प्रभाव शनिवार तक रहने की आशंका है। सरकार ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। विभाग ने तापलेजुंग, संखुवासभा, सोलुखुम्बु, तेह्रथुम, पांचथर, ओखलढुंगा, खोटांग, भोजपुर, धनकुटा, इलाम, झापा, मोरंग, सुनसरी, उदयपुर, पर्सा, बारा, रौतहट, सर्लाही, धनुषा, महोत्तरी, सिराहा, सप्तरी, सिन्धुली, रामेछाप, काभ्रेपलाञ्चोक, ललितपुर, भक्तपुर, मकवानपुर, चितवन, नवलपरासी (पूर्व व पश्चिम), रूपन्देही और कपिलवस्तु

जिलों से बहने वाली नदियों में बाढ़ का उच्च जोखिम बताया है। अचानक बाढ़ की आशंका जताते हुए यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी दी गई है। बागमती, मधेश और कोशी प्रांतों की छोटी-बड़ी नदियां अचानक उफान पर आ सकती हैं, जिससे सप्तकोशी, तमोर, अरुण, दूधकोशी, तामाकोशी, सुनकोशी, कन्काई, कमला, बागमती और राप्ती जैसी प्रमुख नदियों में खतरा बढ़ सकता है। विभाग ने कहा है कि चक्रवात का प्रभाव कम से कम तीन दिन तक रह सकता है और जनता व स्थानीय निकायों से संभावित बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करने की अपील की गई है।

भारी बर्फबारी में फंसे 2000 विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित निकला गया

एजेंसी

काठमांडू। लगातार बारिश और भारी बर्फबारी के कारण देश के हिमालयी क्षेत्रों में फंसे करीब दो हजार विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रेकिंग सीजन के दौरान पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मनांग, मुस्तांग, म्याग्दी और गोरखा के ऊँचाई वाले इलाकों में कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फंस गए थे।गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आपदा प्रबंधन महाशाखा के प्रमुख गोविंद रिजाल ने कहा कि गुरुवार सुबह तक लगभग 2000 विदेशी और 350 घरेलू पर्यटकों के सुरक्षित बचाया जा चुका है। रिजाल ने बताया कि कुछ पर्यटक अभी भी गहरी बर्फबारी में फंसे हैं, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन महाशाखा की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक मनांग जिले से सबसे अधिक पर्यटकों को बचाया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने आपदा के तुरंत बाद आपातकालीन राहत टीमें तैनात कर दी थीं। तीलिचो, खांगसर, पिसांग और अपर मनांग में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। तीलिचो, अपर मनांग और आसपास के क्षेत्रों में फंसे 1,500 से अधिक विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। वर्तमान में कुछ पर्यटक और स्थानीय लोग जो स्वेच्छा से रुक गए हैं, उन्हें छोड़कर सभी को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया है। रेस्क्यू किए गए पर्यटक अब चामे और बेसिसहर जैसे स्थानों पर पहुंच चुके हैं। हिमपात के कारण सड़कों के अवरुद्ध होने से जिले में वाहन की कमी देखी गई। पर्यटकों को सुरक्षित रूप से पहुँचाने के लिए 15 जीप और 2 बसें तैनात की गईं। यह बचाव अभियान नेपाल सेना के मनांग में स्थित न्यू भैरवी बटालियन, सशस्त्र प्रहरी बल और स्थानीय निवासियों के संयुक्त सहयोग से सफल हुआ।

हैरीकेन मेलिसा के बाद जमैका की मदद को आगे आया ब्रिटेन, 3 मिलियन डॉलर की राहत सहायता की घोषणा

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने घोषणा की कि वह कैरेबियाई क्षेत्र, विशेष रूप से जमैका में आए भीषण तूफान हैरीकेन मेलिसा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 2.5 मिलियन पाउंड (लगभग 3.36 मिलियन डॉलर) की आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करेगा। ब्रिटिश सरकार ने बताया कि राहत पैकेज में शेल्टर किट, पानी फिल्टर और कंबल जैसी आवश्यक वस्तुओं की तत्काल आपूर्ति शामिल है, जिससे चोट और बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। इसके अलावा, राहत सामग्री को एंटीगुआ में पहले से तैनात किया गया है ताकि प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से पहुंचाया जा सके। विदेश मंत्री यवेट कूपर ने एक बयान में कहा, विशेषज्ञ रैपिड डिप्लॉयमेंट टीमें क्षेत्र में तैनात की गई हैं, जो हैरीकेन मेलिसा से प्रभावित ब्रिटिश नागरिकों को 24 घंटे दूतावास सहायता प्रदान करेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि रॉयल नेवी का एक जहाज राहत कार्यों में सहायता के लिए तैयार है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने भी टर्क्स एंड कैकोस द्वीपसमूह में एक विशेष टीम भेजी है, जो वहां की आपदा प्रबंधन गतिविधियों में सहयोग करेगी। हैरीकेन मेलिसा ने मंगलवार रात जमैका में भारी तबाही मचाने के बाद सुबह क्यूबा में लैंडफॉल किया। यह तूफान जमैका के इतिहास का सबसे शक्तिशाली चक्रवात माना जा रहा है, जिसने सैकड़ों घरों और ढांचागत सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया है। ब्रिटेन द्वारा दिया गया यह सहायता पैकेज न केवल जमैका बल्कि पूरे कैरेबियाई क्षेत्र में पुनर्वास और राहत कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बलोचिस्तान में विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान में 25 लड़ाके मारे गए, खैबर पख्तूनख्वा में छह जवानों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान में 25 लड़ाके मारे गए हैं, जबकि खैबर पख्तूनख्वा में एक कैप्टन समेत छह जवानों की मौत हो गयी है। पाकिस्तान सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसकी पुष्टि की। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने गुरुवार को बताया कि बलूचिस्तान में दो सैन्य अभियान में 18 आतंकवादी मारे गए। इनका संबंध फितना अल हिंदुस्तान से है। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले के डोगर में एक खुफिया आधारित अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ एक कैप्टन समेत कम से कम छह सैनिकों की जान चली गई। इस अभियान में सात आतंकवादी भी मारे गए। डान की

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के मौजूदा आतंकवाद और अस्थिर स्थिति का भारत पर दोष मढ़ने के लिए संघीय सरकार और सेना ने इसी साल मई में नई खोज करते हुए बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा स्थित विद्रोही समूहों को फितना अल-हिंदुस्तान और फितना अल-ख्वारिज नाम दिया। पाकिस्तान सरकार और आईएसपीआर तब से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को भी फितना अल-हिंदुस्तान के नाम से संबोधित करने लगे हैं।आईएसपीआर के अनुसार, आतंकवादियों की कथित मौजूदगी पर बलोचिस्तान के क्वेटा जिले के चिल्टन पर्वत श्रृंखला में सैन्य अभियान शुरू किया। इस दौरान सेना ने 14 आतंकवादियों को ढेर कर दिया।

इसके अलावा प्रांत के केच जिले के बुलेदा में छुपे चार आतंकवादियों को मार गिराया गया। मौके से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। एक दिन पहले खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले के डोगर में हुई मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत कम से कम छह पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गयी, जबकि सात आतंकवादी मारे गए। शहीद कैप्टन का नाम नौमान सलीम (24) है।

दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, ट्रंप की हां

एजेंसी

सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान मेजबान देश के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरुवार सुबह अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। इस पनडुब्बी का निर्माण फिलाडेल्फिया स्थित अमेरिकी शिपयार्ड में किया जाएगा।

द कोरिया हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा, हमारा देश (अमेरिका) जल्द ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण कोरिया को अत्याधुनिक पनडुब्बी बनाने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने यह घोषणा दक्षिण कोरिया के 350 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद की। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने ट्रंप के साथ लंच पर हुई शिखर वार्ता के राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार शाम व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए बताया कि ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्श का सुझाव

दौरान दक्षिण कोरिया की पनडुब्बियों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए परमाणु ईंधन के पुनर्प्रसंस्करण की अमेरिका से सहमति मांगी थी। दिया और दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के विकास की आवश्यकता को स्वीकार किया ।

चीन अंतरिक्ष में चूहों पर करेगा शोध अध्ययन

एजेंसी

जिक्वान। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग पर चूहों पर वैज्ञानिक शोध करेगा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी 'चाईना मैन्ड स्पेस स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने गुरुवार को बताया कि दो नर और दो मादा चूहों को शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष स्टेशन ले जाया जाएगा और उन पर शोध किया जाएगा। शेनझोउ-21 को शुक्रवार रात 11:44 बजे उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस यान से अंतरिक्ष यात्री झांग लू, वू फी और झांग होंगझांग रवाना होंगे। सीएमएसए के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने शेनझोउ-21 के उड़ान भरने से एक दिन पहले संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब चीन चूहों पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने जा रहा है। कक्षा में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण जैसी अंतरिक्ष की स्थितियों का इन चूहों के व्यवहार पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा। श्री झांग ने कहा कि बाद में चूहों को अन्य अंतरिक्ष यान से वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा। यहां पृथ्वी पर उन पर फिर से वैज्ञानिक शोध किया जाएगा कि अंतरिक्ष वातावरण में चूहों के विभिन्न ऊतकों और अंगों पर क्या प्रभाव पड़ा और उसके अनुकूल उनमें क्या परिवर्तन हुए। प्रवक्ता ने बताया कि अंतरिक्ष में अपने प्रवास के दौरान चालक दल 27 नये वैज्ञानिक शोध करेगा।

हसीना की स्वदेश वापसी के लिए सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन-बांग्लादेश

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा है कि देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण का अनुरोध अदालत के निर्देशानुसार किया गया है और भारत इसका कोई जवाब नहीं दे रहा है।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश की अदालत के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के पहले सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया है । हालांकि भारत ने अभी तक इसका कोई जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, शेख हसीना की वापसी के अनुरोध के संबंध में हमने अपनी सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया है और अदालत के निर्देशानुसार उनकी वापसी की मांग की है। भारत इस पर अपनी इच्छानुसार आगे बढ़ सकता हैं, लेकिन अभी तक, उन्होंने हमें कुछ भी सूचित नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अगस्त सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा

देकर आनन फानन में इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया था। वे वहां से भारत आयी थीं और उसके बाद उन्होंने इंग्लैंड सहित अनेक देशों में शरण लेने के लिए प्रयास किया था। वे अभी आधिकारिक तौर पर कहीं शरणार्थी नहीं हैं। इस बीच हुसैन ने अपने ही देश के पत्रकारों की आलोचना करते हुए कहा, हमारे कुछ पत्रकार भारत गए थे। आप सभी के बारे में मेरी एक टिप्पणी है। जब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आपको संबोधित किया, तो उन्होंने कहा कि वे समावेशी, पारदर्शी चुनाव चाहते हैं। उस समय आप में से किसी ने यह प्रश्न नहीं उठाया कि पिछले 15 वर्षों में ऐसे बयान क्यों नहीं दिए गए और क्या पिछले चुनाव इसी फॉर्मूले के तहत सही ढंग से आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य है कि उस समय वहां आप लोगों में से कई वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकार भी मौजूद थे, फिर भी किसी ने यह सवाल नहीं उठाया। चूँकि भारतीय विदेश सचिव ने यह अवसर प्रदान किया था, अगर आप उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहते थे, तो कम से कम अवसर आने पर ही आप यह सवाल उठा सकते थे। इस सवाल के जवाब में कि क्या इस्लामी उपदेशक ज़ाकिर नाइक को देश में आमंत्रित किया गया है, उन्होंने कहा, मुझे ज़ाकिर नाइक को दिए गए किसी भी निमंत्रण की जानकारी नहीं है। मैं आपसे ही इस बारे में सुन रहा हूँ। मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। ढाका में संयुक्त राष्ट्र के नए रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर के बारे में उन्होंने कहा, यहाँ किसी भी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी जो समस्याएँ या विवाद पैदा करें।

खबर संक्षेप

टाइनी स्कॉलर्स ने ओपन कराटे–डो चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

कठुआ, 30 अक्टूबर (हि.स.)। पठानकोट में आयोजित छठी आमंत्रण ओपन कराटे–डो चैंपियनशिप 2025 में टाइनी स्कॉलर्स स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के कुल 51 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और 21 स्वर्ण, 15 रजत और 15 कांस्य पदक जीतकर स्कूल को गौरवान्वित किया।

इस चैंपियनशिप में जम्मू–कश्मीर पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे यह प्रतियोगिता चुनौतीपूर्ण और प्रतिष्ठित दोनों बन गई। टाइनी स्कॉलर्स स्कूल में एक पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया जहाँ निदेशक मनीषा गुप्ता और प्रधानाचार्या

रीना खजूरिया ने विजेताओं को सम्मानित किया और उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए मनीषा गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनकी लगन और दृढ़ता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टाइनी स्कॉलर्स स्कूल छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास करने के लिए ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। यह पूरा आयोजन कराटे कोच सचिन की देखरेख में आयोजित किया गया जिनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण ने छात्रों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीएसपी गीतांजलि गुप्ता नितीश शर्मा यावर खान को औपचारिक रूप से नए पदों से सम्मानित किया गया

कठुआ, 30 अक्टूबर (हि.स.)। हाल ही में पदोन्नत पुलिस उपाधीक्षकों को सम्मानित करने के लिए गुरूवार को जिला पुलिस मुख्यालय कठुआ में एक पाइपिंग समारोह आयोजित किया गया जिन्होंने अपनी परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और नई जिम्मेदारियाँ संभाली हैं।

इस समारोह की अध्यक्षता मोहिता शर्मा आईपीएस एसएसपी कठुआ और एसपी ऑपरेशन कठुआ मुकुंद टिबरेवाल आईपीएस ने की। कार्यक्रम के दौरान डीएसपी नितीश शर्मा, डीएसपी गीतांजलि गुप्ता और डीएसपी यावर खान को औपचारिक रूप से उनके नए पदों से सम्मानित किया गया। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने अधिकारियों को उनकी योग्य पदोन्नति पर बधाई दी और विभाग के प्रति उनके समर्पण, व्यावसायिकता और सेवा की सराहना की। उन्होंने उनसे शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी ईमानदारी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करते रहने का आग्रह किया।

शिव सेना हिन्दुस्तान ने जम्मू में मादक पदार्थ तस्करी पर जताई चिंता

जम्मू,, 30 अक्टूबर (हि.स.)। शिव सेना हिन्दुस्तान की ओर से जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जम्मू–कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जम्मू क्षेत्र में बढ़ते मादक पदार्थ तस्करी के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। केसरी ने बताया कि अब इस अवैध धंधे में महिलाओं की बढ़ती संलिप्तता समाज के लिए खतरे का संकेत है और युवाओं की सुरक्षा एवं भविष्य के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

राजेश केसरी ने जम्मू पुलिस द्वारा नर्वाल क्षेत्र में 5 किलो हेरोइन बरामद कर मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तस्करी में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, जो अपने सामाजिक दर्जे और विश्वास का दुरुपयोग कर रही हैं। केसरी ने बताया कि जम्मू में बरामद अधिकांश नशीले पदार्थ सीमापार से विभिन्न माध्यमों, यहां तक कि ड्रोन के जरिए, तस्करी कर लाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक नेताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों सहित सभी वर्गों को एकजुट होकर काम करना होगा। केसरी ने नशा तस्करी में शामिल लोगों, विशेषकर महिलाओं, के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और नागरिकों से अपील की कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी स्थानीय प्रशासन या मोहल्ला कमेटी प्रमुखों को दें।

कार्यक्रम में बलवंत सैनी, संजीव शर्मा, राज कुमार बाबा, सुरेश कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी मौजूद रहे। केसरी ने कहा कि नशे और उसकी तस्करी के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी है और समाज को मिलकर युवाओं के सुरक्षित और उज्जवल भविष्य के लिए प्रयास करना होगा।

शोपियां पुलिस ने सरदार पटेल के जीवन पर फोटो प्रदर्शनी आयोजित की

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शोपियां पुलिस ने आज उनके जीवन और योगदान पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

इस प्रदर्शनी में सरदार पटेल के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका और देश के एकीकरण में उनके योगदान को दर्शाने वाली दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। बड़ी संख्या में छात्र, अधिकारी और स्थानीय लोग प्रदर्शनी में पहुंचे और भारत के लौहपुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एसएसपी शोपियां मुश्ताक अहमद चौधरी ने बताया कि सरदार पटेल की जयंती की पूर्व संध्या पर शोपियां पुलिस कल रन फॉर यूनिटी, परेड और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करेगी ताकि देश की एकता और अखंडता में उनके योगदान को सम्मानित किया जा सके।

नई शिक्षा नीति के तहत ऊधमपुर में रोल प्ले व फोक डांस प्रतियोगिता आयोजित

जम्मू, 30 अक्टूबर (हि.स.)। सरकार द्वारा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए नई शिक्षा नीति लागू की गई है जिसके तहत अब छात्रों को स्कूल स्तर से ही विभिन्न क्षेत्रों में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में डाइट कूड द्वारा ऊधमपुर जिले के सभी जोन के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए रोल प्ले और फोक डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने हुनर और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को साकार रूप दिया।

सिंचाई सुविधाओं की आवश्यकता

अमित सिंह

वैश्विक स्तर पर आंकड़ों को देखें तो जल का सर्वाधिक उपयोग कृषि के क्षेत्र में किया जाता है, उसके बाद इसकी सबसे ज्यादा खपत औद्योगिक क्षेत्र में होती है तथा तीसरे स्थान पर सर्वाधिक उपयोग घरेलू आवश्यकताओं के लिये किया जाता है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद कृषि क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सिंचाई के क्षेत्र में भी काफी काम किया गया। 1951 में भारत में कुल सिंचित क्षेत्र 22.6 मिलियन हेक्टेयर था जो कि अब लगभग 68.4 मिलियन हेक्टेयर हो चुका है। भारत निर्माण कार्यक्रम के तहत भी सिंचाई पर पर्याप्त बल दिया गया।

भारत में सिंचाई सुविधाओं की आवश्यकता

1– भारत के अधिकांश हिस्सों में ऊष्ण जलवायु पाई जाती है जिससे अत्यधिक वाष्पोत्सर्जन होता है। इससे पानी की अधिक खपत होती है।

2– भारत के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा में असमानता पाई जाती है, जहाँ एक तरफ मेघालय में 1000 सेमी से अधिक वर्षा होती है तो वहीं लद्दाख में 25 सेमी से भी कम वर्षा होती है। इन कारणों से भी सिंचाई सुविधाओं का विकास आवश्यक हो जाता है, विशेषकर कम वर्षा वाले क्षेत्रों में।

3– भारत में अधिकांश वर्षा एक विशेष मौसम में ही होती है, शेष समय की फसलों को भी सिंचाई का लाभ मिले इसलिये भी इन सुविधाओं का महत्त्व बढ़ जाता है।

4– भारत की कुछ मिट्टियों में पानी की अधिक खपत होती है, जैसी रेतीली मिट्टी में। सिंचाई सुविधाओं के विकास से इनमें उत्पन्न होने वाली फसलों को भी पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाया जा सकता है। भारत में सिंचाई के महत्त्व को देखते हुए 2 जुलाई 2015 के दिन प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को स्वीकृति दी गई। इसका उद्देश्य सिंचाई सुविधाओं को प्रभावशाली बनाते हुए हर खेत तक किसी न किसी माध्यम से सिंचाई सुविधाओं को पहुंचाना है। इस योजना को 2026 तक के लिये बढ़ाया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना की निगरानी अंतर मंत्रालई राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा की जाती है। वहीं जिला स्तर पर जिला समिति द्वारा की जाती है। इस योजना में कृषि, जल संशाधन तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय शामिल हैं। इसमें कृषि मंत्रालय सूक्ष्म सिंचाई की सुविधाओं के विकास में संलग्न है तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के पास वर्षा जल संरक्षण से जुड़ी सुविधाओं के विकास का दायित्व है। इसके साथ ही जल संशाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय को जल वितरण प्रणालियों के विकास का दायित्व सौंपा गया है।

सिंचाई परियोजनाओं के प्रकार

इनमें लघु सिंचाई परियोजनाएँ, मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ एवं वृहद सिंचाई परियोजनाएँ शामिल हैं।

लघु सिंचाई परियोजनाओं में 2000 हेक्टेयर से कम क्षेत्र शामिल होता है, इसमें तालाब, नलकूप, सूक्ष्म सिंचाई इत्यादि साधन शामिल होते हैं। आधे से अधिक (लगभग 62%) सिंचाई देश में इन्हीं माध्यमों से होती है। जून 2010 में राष्ट्रीय लघु/सूक्ष्म सिंचाई मिशन की शुरुआत की गई।

मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में नहर सिंचाई प्रमुख माध्यम है और इसमें 2000 से 10 हजार हेक्टेयर तक का क्षेत्र शामिल होता है। वृहद सिंचाई परियोजनाओं में 10 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रों की सिंचाई होती है। इसमें बड़े बांधों का निर्माण भी शामिल है।

कई कारणों से बृहद सिंचाई परियोजनाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं मानी जा सकती। इनकी प्रमुख समस्याओं में उचित रखरखाव में कमी, वित्तीय समस्याएँ, गाद जम जाना, जल रिसाव, अति सिंचाई, विस्थापन, पुनर्वास, पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव इत्यादि हैं। सरकार इन समस्याओं को दूर करने के प्रयास कर रही है।

सिंचाई के प्रमुख स्रोत

इन स्रोतों में प्रमुख रूप से नलकूप, तालाब, नहर, नदियाँ इत्यादि शामिल हैं। नलकूप सिंचाई का सबसे प्रमुख स्रोत माना जाता है, हरित क्रांति को सफल बनाने में भी इसकी प्रमुख भूमिका है। हालाँकि इससे भूजल स्तर में काफी गिरावट भी देखने को मिली है। तालाब सिंचाई मुख्य रूप से पूर्वी व दक्षिण भारत में प्रचलित है। तामिलनाडु के लगभग 19 प्रतिशत भाग में तालाब सिंचाई ही प्रचलित है। नहर से देश के लगभग 26 भाग में सिंचाई होती है। भारत में विश्व का सबसे बड़ा नहर तंत्र भी है।

सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- किसी भी स्थान पर सिंचाई प्रणालियों का चयन मृदा, उच्चावच, पानी की उपलब्धता, फसल की आवश्यकता इत्यादि आधारों पर तय होता है। भारत में मुख्यत- चार प्रणालियाँ अपनाई जाती हैं। इसमें सतही सिंचाई, उप सतही सिंचाई, टपकन सिंचाई तथा फुहार सिंचाई शामिल है। सतही सिंचाई में जलप्लावित तथा सीमाबद्ध सिंचाई शामिल है, उप सतही सिंचाई में फसलों के जड़ वाले क्षेत्र में छिद्रयुक्त पाइपों के सहारे जल पहुँचाया जाता है। इससे कम पानी में सिंचाई हो जाती है पर यह लागत और रखरखाव के कारण अधिक लोकप्रिय नहीं है। फुहार सिंचाई में पाइपों से पानी खेत तक जाता है तथा उसके बाद बारिश की तरह फसलों पर छिड़काव किया जाता है। इससे पानी की बर्बादी कम होती है तथा मृदा अपरदन भी नहीं होता है। हालाँकि तेज हवा इसे प्रभावित करती है तथा इसकी लागत इतनी उच्च होती है कि आम किसान इसे लगवा नहीं पाता है। टपकन सिंचाई में प्लास्टिक के पाइप्स द्वारा फसलों की जड़ वाले क्षेत्र के पास पानी पहुँचाया जाता है। यह इजराइल, अमेरिका, स्पेन जैसे देशों में भी काफी लोकप्रिय तरीका है तथा प्रचलित है।

मिट्टी का परीक्षण

बेहतर फसल उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य हेतु संन्तुलित पौध पोषण परम आवश्यक होता है उचित पौध पोषण हेतु खेत की मिट्टी में उपलब्ध विभिन्न प्रमुख एवं गौण पोषक तत्वों की उपस्थित मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा सुलभ होती है । प्राप्त मिट्टी परीक्षण परिणामो के आधार पर कृषक बन्धु उर्वरको का सन्तुलित मात्रा में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है ।

खेत की मिट्टी में पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रासायनिक परीक्षणों द्वारा आंकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा–लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास के लिये सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाये गये है । यह अनिवार्य पोषक तत्व है। कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्निशियम एवं सल्फर (मुख्य या अधिक मात्रा मे लगने वाले आवश्यक पोषक तत्व) इन पोषक तत्वों मे से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्राय- वायु व पानी से प्राप्त करते है तथा शेष 13 पोषक तत्वों के लिये ये भूमि पर निर्भर होते है । सामान्यत– ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते है । परन्तु खेत में लगातार फसल लेते रहने के कारण मिट्टी से इन सभी आवश्यक तत्वों का ह्रास निरन्तर हो रहा है । असन्तुलित पौध पोषण की दशा में फसलो की वृध्दि समुचित नहीं हो पाती तथा पौधो के कमजोर होने एवं रोग व्याधि, कीट आदि से ग्रसित होने की सम्भावना अधिक रहती है । परिणामस्वरूप फसल उत्पादन कम होता है इसके अतिरिक्त उर्वरक भी काफी महंगे होते जा रहे है। अत- इन पोषक तत्वों को खेत में आवश्यकतानुरूप ही उपयोग करना जिससे खेती लाभदायक बन सकती है । खेतो में उर्वरक डालने की सही मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है । अत- मिट्टी परीक्षण उर्वरकों के सार्थक उपयोग एवं बेहतर फसल उत्पादन हेतु नितान्त आवश्यक है ।

मिट्टी परीक्षण के उद्देश्य–

मिट्टी परीक्षण सामान्यतया निम्न उद्देश्यो की पूर्ति के लिये किया जाता है –

1. मिट्टी में पोषक तत्वों के स्तर की जांच करके फसल एवं किस्म के अनुसार तत्वों की सन्तुलित मात्रा का निर्धारण कर खेत में खाद एवं उर्वरक मात्रा की सिफारिश हेतु ।

2. मृदा अम्लीयता, लवणीयता एवं क्षारीयता की पहचान एवं सुधार हेतु सुधारको की मात्रा व प्रकार की सिफारिश कर इन जमीनो को कृषि योग्य बनाने हेतु महत्वपूर्ण सलाह एवं सुझाव देना ।

3. फल के बाग लगाने के लिये भूमि की उपयुक्तता का पता लगाना ।

4. मृदा उर्वरता मानचित्र तैयार करने के लिये । यह मानचित्र विभिन्न फसल उत्पादन योजना निर्धारण के लिये महत्वपूर्ण होता है तथा क्षेत्र विशेष में उर्वरक उपयोग संबंधी जानकारी देता है ।

मिट्टी परीक्षण के लिये सबसे महत्वपूर्ण होता है कि मिट्टी का सही नमूना एकत्र करना । इसके लिये जरूरी होता है कि नमूना इस प्रकार लिया जाये कि वह जिस खेत या क्षेत्र से लिया गया हो उसका पूर्ण प्रतिनिधित्व करता हो । इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु मिट्टी के प्रतिनिधि नमूने एकत्र किये जाते है । प्रतिनिधि नमूना लेने के लिये ध्यान दे कि –

1– नमूना लेने से पूर्व खेत में ली गई फसल की बढवार एक ही रही हो ।

2– उसमें एक समान उर्वरक उपयोग किये गये हो ।

3– जमीन समतल व एक ही हो तो ऐसी स्थिति में पूरे खेत से एक ही संयुक्त या प्रतिनिधि नमूना ले सकते है ।

इसके विपरीत यदि खेत में अलग–अलग फसल ली गई हो । भिन्न–भिन्न भागो में अलग–अलग उर्वरक मात्रा डाली गई हो । फसल बडवार कही कम, कही ज्यादा रही हो । जमीन समतल न होकर ढालू हो तो इन परिस्थितियो में खेत के समान गुणो वाली सम्भव इकाईयो में बांटकर हर इकाई से अलग–अलग प्रतिनिधि नमूना लेना चाहिये । नमूना सामान्यत- फसल बोने के एक माह पहले लेकर परीक्षण हेतु भेजना चाहिये ताकि समय पर परिणाम प्राप्त हो जायें एवं सिफारिश के अनुसार खाद उर्वरको का उपयोग किया जा सके ।

नमूना एकत्रीकरण हेतु आवश्यक सामग्री

खुरपी, फावडा, बाल्टी या ट्रे, कपडे एवं प्लास्टिक की थैलियां , पेन, धागा, सूचना पत्रक , कार्ड आदि ।

प्रतिनिधि नमूना एकत्रीकरण विधि–

1– जिस खेत में नमूना लेना हो उसमें जिग–जैग प्रकार से घूमकर 10–15 स्थानो पर निशान बना ले जिससे खेत के सभी हिस्से उसमें शामिल हो सकें ।

2– चुने गये स्थानो पर उपरी सतह से घास–फूस, कूडा करकट आदि हटा दे।

3– इन सभी स्थानो पर 15 सें.मी. (6 –9 इंच) गहरा वी आकार का गड्ढा खोदे । गड्ढे को साफ कर खुरपी से एक तरफ उपर से नीचे तक 2 से.मी. मोटी मिट्टी की तह को निकाल ले तथा साफ बाल्टी या ट्रे में डाल ले ।

4– एकत्रित की गई पूरी मिट्टी को हाथ से अच्छी तरह मिला लें तथा साफ कपडे पर डालकर गोल ढेर बना लें । अंगूली से ढेर को चार बराबर भागो की मिट्टी अलग हटा दें । अब शेष दो भागो की मिट्टी पुन- अच्छी तरह से मिला लें व गोल बनाये । यह प्रक्रिया तब तक दोहराये जब तक लगभग आधा किलों मिट्टी शेष रह जायें । यही प्रतिनिधि नमूना होगा ।

5– सूखे मिट्टी नमूने को साफ प्लास्टिक थैली में रखे तथा इसे एक कपडे की थैली में डाल दें । नमूने के साथ एक सूचना पत्रक जिस पर समस्त जानकारी लिखी हो एक प्लास्टिक की थैली में अन्दर तथा एक कपडे की थैली के बाहर बांध देवें ।

6– अब इन तैयार नमूनों को मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला भेजे ।

मिट्टी नमूना का प्रयोगशाला में विश्लेषण एवं परिणाम–

एकत्रित किये गये नमूनो को किसान भाई अपने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की मदद से जिले की निकटतम मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओ में परीक्षण हेतु भिजवाये ।

प्रयोगशालाओ में सामान्यत- मिट्टी परीक्षण कार्बनिक कार्बन, मृदा पी.एच.मान (अम्लीयता, क्षारीयता, उदासीनता आदि) वैधुत चालकता, उपलब्ध नत्रजन , स्फुर एवं पोटाश आदि का स्तर जानने के लिये किये जाते है तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर पोषक तत्वों के निम्नस्तर (कमी)

मध्यम स्तर (पर्याप्त) एवं उच्च स्तर (अधिकता) के हिसाब से आगे बोयी जाने वाली फसल के लिये उर्वरक एवं खादी को दी जाने वाली मात्राओ की सिफारिश की जाती है । इस आधार पर कृषक, उर्वरको का सार्थक उपयोग कर अच्छा फसल उत्पादन प्राप्त कर सकते है तथा उर्वरको पर खर्च किये गये पैसों का समुचित उपयोग कर सकते है । सूक्ष्म पोषक तत्वों के विश्लेषण हेतु नमूना सावधानीपूर्वक एकत्रित कर तथा विशिष्ट रूप से यह अंकित कर भेजे कि मृदा में सूक्ष्म तत्व विश्लेषण भी चाहते है ।

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

जम्मू, 29 अक्तूबर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू–कश्मीर पुलिस ने 29 अक्तूबर 2025 को जम्मू जोन के विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय एकता दिवस – एकता और अखंडता थीम पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए।

इस सप्ताहभर चलने वाले आयोजन का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता, नेतृत्व और राष्ट्र को एकजुट करने में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करना तथा नागरिकों में एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना था।

जम्मू जोन में आयोजित कार्यक्रम

कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत वाद–विवाद प्रतियोगिताएं, तीन नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम, और जनसंपर्क गतिविधियां विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित की गईं, जिनमें छात्रों, शिक्षकों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रामबन पुलिस ने सरदार पटेल – आधुनिक भारत के अनकहे शिल्पकार विषय पर सरकारी हाई स्कूल चंदरकोट में वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामबन श्री मुजीब–उर–रहमान, एस एच ओ रामबन और विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित थे। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही, जी डी सी बनिहाल में राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों ने युवाओं की शांति, एकता और सद्भाव बनाए रखने में भूमिका पर बल दिया।

बिश्नाह के सरकारी मिडिल स्कूल करलाह और राइजिंग स्टार पब्लिक स्कूल नागरोटा में भी वाद–विवाद प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें छात्रों ने देशभक्ति की भावना के साथ सरदार पटेल द्वारा प्रचारित एकता और अखंडता के मूल्यों को प्रतिबिंबित किया।

सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल, बणी में राष्ट्रीय एकता दिवस – विविधता में एकता विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रधानाचार्य श्री जगत राम की अध्यक्षता में शिक्षकों के पैनल ने किया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही

कठुआ, हिरानगर, बसंतगढ़, और नागरी क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों की देखरेख में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

सांबा पुलिस ने सरदार वल्लभभाई पटेल की उपलब्धियां, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विभिन्न संगोष्ठियों और वाद–विवादों का आयोजन किया। ये कार्यक्रम विजयपुर, रामगढ़, घगवाल, सांबा, बारी ब्राह्मणा और पुरमंडल के थानों में आयोजित किए गए, जिनमें पटेल के एक सशक्त और एकजुट भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई।

रियासी पुलिस ने राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका विषय पर सरकारी बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, रियासी में सेमिनार आयोजित किया और संस्कृतिक एकता – विविधता में एकता का उत्सव विषय पर नेचर्स लैप इंटरनेशनल हाई स्कूल, पौनी में कार्यक्रम आयोजित किया। इसी तरह कटरा, भवन, अर्नास, महोरे और चस्साना थानों में भी युवाओं को सरदार पटेल की राष्ट्र एकता की भावना को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

उधमपुर पुलिस ने एस टी सी एम सरकारी मॉडल गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा, साइबर जागरूकता, बाल विवाह निषेध और नशा मुक्ति पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को सरदार पटेल के समानता और सद्भाव के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

डोडा पुलिस ने सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल डाचन में तीन नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 130 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

इसी प्रकार, किश्तवाड़ में डीवाईएसपी (मुख्यालय) ने डी आई ई टी किश्तवाड़ में राष्ट्रीय एकता विषय पर सेमिनार आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों ने एकता प्रतिज्ञा लेकर राष्ट्रीय एकता और पुलिस–जन संबंधों को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। डोडा में राष्ट्रीय एकता – महत्व और चुनौतियाँ विषय पर मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, डोडा में वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित हुई।

राजौरी में राष्ट्रीय एकता – महत्व और चुनौतियाँ विषय पर सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, कलाकोट में वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें एस डी पी ओ कालाकोट, एस एच ओ कालाकोट और शिक्षण स्टाफ मौजूद रहे।